Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

# घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -293 सोमवार ,29 अगस्त 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

**ज्ञान की बातें**

कोई भी ऐसा मनुष्य साहसी नहीं हो सकता,जो पीड़ा को जीवन की सबसे बड़ी बुराई समझता है।

-सिसरो-

# धुएं के गुबार में डूबा नोएडा

## 'ट्विन टावर्स को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रविवार को ब्लॉस्ट करके गिरा दिया गया

**नोएडा, 28 अगस्त 2022।** नोएडा स्थित सुपरटेक के ट्विन टावर को रविवार को गिरा दिया गया। विस्फोट के बाद चंद सेकेंड में विशाल इमारत ताश के पत्तों की तरह भरभरा कर गिर गई। अवैध रूप से निर्मित इन ट्विन टावर को धराशायी करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के एक साल बाद यह कार्रवाई की गई है। लगभग 100 मीटर ऊंचे टावर को चंद सेकेंड में ध्वस्त कर दिया गया।

दिल्ली की प्रतिष्ठित कुतुब मीनार (73 मीटर) से ऊंचे इन टावर को 'वाटरफॉल इम्प्लोजन% तकनीक की मदद से गिराया गया। ट्विन टावर भारत में अब तक ध्वस्त की गई सबसे ऊंची संरचनाएं रहीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर 93ए में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट हाउसिंग सोसाइटी के भीतर 2009 से 'एपेक्स% (32 मंजिल) और 'सियान% (29 मंजिल) टावर निर्माणाधीन थे। इमारत गिराने के लिए 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया।

### 9 सेकेंड में ध्वस्त हुई इमारत

गगनचुंबी इमारतों को बनाने में करीब आठ सौ करोड़ रुपए की लागत आई थी और अब इसको गिराने में भी लगभग 17.55 करोड़ रुपए तक का खर्चा आया जिसका खर्चा सुरपटेक को ही उठाना पड़ेगा। सुपरटेक इमारत की ऊंचाई ऐतिहासिक इमारत कुतुबमीनार से भी अधिक है। इसको बनाने में कई साल लग गए और अब गिराने में पल भर का ही वक्त लगा। अभियंताओं की मदद कर रहे ब्रिटिश अभियंताओं ने बताया है कि जब इमारत को गिराया जाएगा, तब उससे निकलने वाली धूल का गुबार करीब तीन सौ मीटर तक फैल जाएगा। इसी दौरान आसपास के इलाकों में इमारत के ध्वस्त होने से उत्पन्न कंपन को महसूस किया जा सकेगा।

कुतुब मीनार से भी ऊंचे दोनों टावर महज 9 से 12 सेकेंड में जमींदोज हो गए। इतनी बड़ी इमारत को गिराए जाने का यह पहला मामला है। इसे बारूद से गिराने के लिए दोनों टावर में करीब 9640 छेद किए गए थे। इन सुराखों में 3700 किग्रा विस्फोटक भरा गया है। इसमें ठीक ढाई बजे रिमोट के जरिये विस्फोट करके दोनों टावर को गिरा दिया गया। इसके लिए जेपी फ्लाईओवर पर 'इंसिडेंट कमांड सेंटर बनाया गया है।

# बिना ट्रायल के किसी को इतने वक्त तक बंदी बनाकर रखना ठीक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली , 28 अगस्त 2022।** सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए चार साल से बंदी दो लोगों को जमानत देते हुए कहा कि, बिना किसी ट्रायल के किसी को इतने वक्त तक बंदी बनाकर रखना ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक क्रिमिनल केस में पश्चिम बंगाल के दो लोगों को जमानत दी है। इन दोनों को पिछले चार साल से बिना ट्रायल के बंदी बनाकर रखा हुआ था। जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच ने कहा ने यह सुनवाई करते हुए टिप्पणी की है। बेंच ने कहा, 'हम इस स्थिति को बढ़ावा नहीं दे सकते, जहां किसी आरोपी को बंदी बनाकर इतने लंबे वक्त तक बिना ठीक से ट्रायल शुरू हुए नहीं रख सकते।' सुनवाई के दौरान बेंच में जस्टिस पीएस नरसिम्हा भी शामिल रहे।

बेंच ने कहा, 'चार साल से चल रहे इस केस में अभी तक पहले गवाह का एग्जामिन भी नहीं हुआ है। ट्रायल कोर्ट के अनुसार याचिकाकर्ता को कुछ टर्म कंडीशंस के साथ जमानत दी जाती है।'

मिली जानकारी के अनुसार यह 2018 का मामला है जिसमें 414 किलो गांजा कथित रूप से जब्त किया गया था। हालांकि इस केस में चालान पेश किया गया था और आरोप भी तय किए गए थे। लेकिन यह केस आगे नहीं बढ़ाया गया।

हालांकि कोर्ट ने कहा, अगर अपीलकर्ता ट्रायल में देरी करने की मांग करते हैं तो, 'हम ट्रायल कोर्ट को वापस बंदी बनाने की इजाजत देते हैं।' कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ताओं को ट्रायल कोर्ट की ओर से निर्धारित की गई सभी डेट्स पर उपस्थिति दर्ज कराना जरूरी है। साथ ही कोर्ट ने अपीलकर्ताओं को यह आदेश दिया कि उनके वकील किसी भी पुख्ता कारण के स्थगन की मांग नहीं कर सकते।

स्टूडेंट का दिल दहला देने वाला सुसाइडः

# दोनों हाथ को बिजली की छिली हुई तार से बांधा फिर झाड़ू से चालू किया स्विच

**भोपाल, 28 अगस्त 2022।** राजधानी भोपाल से दिल दहला देने वाला सुसाइड का मामला सामने आया है। स्टूडेंट ने पहले दोनों हाथ को बिजली की छिली हुई तार से बांधा। इसके बाद प्लग में तार लगाकर झाड़ू से स्विच चालू किया। इससे करंट लगने से युवक की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। पूरा मामला राजधानी भोपाल के रातीबड़ थाने का है। पुलिस ने शव के पोष्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवा दिया है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण खुदखुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम कुलदीप वर्मा था। मृतक सीहोर का रहने वाला था। राजधानी भोपाल के रातीबड़ इलाके के नीलबड़ में किराए से रहता था। मृतक बी फार्मा की पढ़ाई करने के लिए राजेस्ट्रशन किया था। युवक ने सुसाइड के लिए दिल दहला देने वाला तरीका चुना।

मृतक कुलदीप वर्मा ने सबसे पहले अपने दोनों हाथों को बिजली की छिली हुई तार से बांधा। इसके बाद प्लग में तार लगाकर झाड़ू से स्विच ऑन किया। करंट के कारण युवक की मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई। पुलिस को वारदात स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण खुदखुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। रातीबड़ थाना पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है।

# बीजेपी नेता रविशंकर का हमला-सत्ता और स्वार्थ की खातिर नीतीश ने बिहार को धकेल दिया पीछे

**बांका, 28 अगस्त 2022।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ महागठबंधन के साथ सरकार बनाने को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा नीतीश कुमार ने सत्ता और स्वार्थ की खातिर प्रदेश के विकास को पीछे धकेल दिया है।

### 'राज्य में आतंक और अशांति का माहौल'

रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार एक ओर जहां विकास की ओर अग्रसर हो रहा था वहीं नीतीश कुमार ने अपने स्वार्थ की खातिर उसे एक झटके में पीछे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार हमेशा जिन ताकतों के खिलाफ रहे आज उन्हीं लोगों से हाथ मिलाकर राज्य में अराजकता और अपराधियों का साम्राज्य स्थापित करने में मदद कर रहे हैं। आज प्रदेश में आतंक और

अशांति के साथ हत्या, अपहरण, लूट जैसे अपराध का माहौल हो गया है।

### 'राजनैतिक महत्वाकांक्षा के लिए कुछ भी कर सकते हैं नीतीश'

भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षा के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने राजनीतिक अनैतिकता की पराकाष्ठा पर पहुंच कर लोकतंत्र की हत्या कर दी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार प्रदेश में विकास, उद्योग और खुशहाली के सपनों का गला घोंटकर अपने स्वार्थ सिद्ध में लगे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार भ्रष्टाचार, और जंगलराज के खिलाफ संघर्ष करते रहे और आज उसी के सामने घुटने टेक दिए। जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाले को वह कभी माफ नहीं करेगी।

÷2025 में पूर्ण बहुमत से अपनी सरकार बनाएगी बीजेपी प्रसाद ने कहा, ''हमने नीतीश कुमार को हमेशा साथ रखकर मुख्यमंत्री पद पर आसीन किया लेकिन वहीं हमें छोड़ कर गए, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। इतने गांठ वाली यह सरकार समय से पहले ही खत्म हो जाएगी। उन्होंने दावा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा बिहार के 35 सीटों पर जीतेगी। साथ ही वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा पूर्ण बहुमत से अपनी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश काफी आगे बढ़ता जा रहा है। प्रसाद ने इससे पूर्व भाजपा के जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं प्रबुद्धजनों और अधिवक्ताओं की बैठक को संबोधित किया।

# कोरोना से राहत, कम हो रही संक्रमित मरीजों की संख्या, एक्टिव केस भी घटे

**नई दिल्ली, 28 अगस्त 2022।** भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 9,436 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,44,08,132 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 86,591 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 30 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,27,754 पर पहुंच गई।

इसके अलावा, ष्थ1द्धस्र-19 से मौत के आंकड़ों का पुन- मिलान करते हुए संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की सूची में केरल ने 27 और गोवा ने 100 और नाम डाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश में covid-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 86,591 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.19 प्रतिशत है।

## नहर में नहाने गए दो किशोर डूबे, मचा कोहराम

**गोरखपुर ,28 अगस्त 2022।** गोला थाना क्षेत्र के खखरी बलिया गांव में रविवार को रविवार को सरयू नहर की शाखा में स्नान करने करने गए युवक डूब गए। दोनों का पता नहीं लग सका। मिली जानकारी के अनुसार उपरोक्त गांव के सुबास गुप्ता का 16 वर्षीय पुत्र शुभम व उसके पड़ोसी रामदयाल गुप्ता का पुत्र गणेश दोनों दोस्त हैं। वे दोनों जनता इंटर कालेज दुबौली में क्रमश- कक्षा 9 व 10 के छात्र हैं। दोपहर में दोनो नहर की मुख्य शाखा में स्नान करने चले गए। जहां डूब गए। बताया जाता है कि एन डी आर एफ की टीमें बच्चो की तलाश में लग गई हैं लेकिन देर शाम तक शवो का पता नही चल सका था।

# सीबीआई करेगी सोनाली फोगाट के हत्या की जांच!

**सीएम ने इस मामले में दिया बड़ा बयान**

**गोवा, 28 अगस्त 2022।** भारतीय जनता पार्टी की नेता और सोशल मीडिया स्टार सोनाली फोगाट की हत्या के मामले में गोवा को मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत का बड़ा बयान आया है। उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोनाली फोगट हत्याकांड के मामले में उनसे बात की है और गहन जांच का अनुरोध किया है।

सोनाली फोगाट के परिजन चाहते हैं कि इस मामले की जांच सीबीआई करे। इस पर सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि उन्हें इस मामले में को परेशानी नहीं है। औपचारिकताओं के बाद अगर जरूरत पड़ती है तो यह केस सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

आपको बता दें कि सोनाली फोगाट की मौत के मामले में गोवा पुलिस हत्या के एंगल में जाच कर रही है। इस मामले में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। आरोपियों में आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह के अलावा, गोवा के कर्लिज रेस्टोरेंट का मालिक एडविन न्यून्स, ड्रग पैडलर दत्त प्रसाद गांवकर और रमा मांडरेकर शामिल हैं।

गोवा पुलिस के अनुसार सोनाली फोगाट को कोई केमिकल दिया गया था जिसके बाद वो अपने काबू में नहीं थीं। घटना के दिन सुबह करीब 4꞉30 बजे आरोपी उन्हें टॉयलेट में लेकर गए और दो घंटे तक उन्हें वहीं रखा।

बता दें कि सोनाली के भाई रिंकू ढाका की शिकायत पर सोनाली के पीए सुधीर और उसके दोस्त सुखविंदर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। सोनाली के भाई रिंकु ढाका ने गोवा के अंजुना थाने में 4 पन्नों में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी।

# कांग्रेस में नहीं थम रहे इस्तीफे

## आजाद के बाद तेलंगाना में पूर्व सांसद ने छोड़ी पार्टी,राहुल पर हुए आगबबूला

**तेलंगाना, 28 अगस्त 2022।** कांग्रेस का समय सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। आए दिन पार्टी से वरिष्ठ नेता इस्तीफा दे रहे हैं। लगातार हो रहे इस्तीफों से देश की सबसे पुरानी पार्टी की मुश्किलें बढ़ रही हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव की बड़ी लड़ाई से पहले गुजरात, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होने हैं।

इसी बीच खबर मिली है कि गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद तेलंगाना में कांग्रेस को झटका लगा है। यहां पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद एमए खान ने इस्तीफा दे दिया है।

एमए खान ने भी आजाद की तरह राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। उनके इस्तीफे के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर भी शुरू हो

गया। पांच पन्नों के त्यागपत्र में आजाद ने राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए उन्हें एक नॉन सीरियस नेता करारा दिया था। वहीं, एमए खान ने भी कुछ ऐसी ही टिप्पणी की है।

उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी द्वारा पार्टी के उपाध्यक्ष का पद संभालने के बाद कांग्रेस को नुकसान ही हुआ है।÷ समाचार एजेंसी एएनआई ने खान के हवाले से कहा, ÷उनके सोचने के तरीके अलग हैं, जो ब्लॉक स्तर से लेकर बूथ स्तर तक किसी भी कार्यकर्ता से मेल नहीं खाती है।÷

विधायक खान ने कहा, पार्टी के तमाम दिग्गज, जिन्होंने दशकों तक पार्टी को मजबूत किया, अब पार्टी छोड़ रहे हैं। राहुल गांधी यह भी नहीं जानते हैं कि वरिष्ठ सदस्यों के साथ कैसे व्यवहार करना है। स्थिति को देखते हुए मेरे पास पार्टी से इस्तीफा देने का फैसला करने के अलावा अलावा कोई विकल्प नहीं था।

# कांग्रेस को मिलेगा नया अध्यक्ष

## CWC की बैठक में इलेक्शन शेड्यूल की घोषणा

**नई दिल्ली, 28 अगस्त 2022।** कांग्रेस में नए अध्यक्ष को लेकर चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में लिए गए फैसले के अनुसार नए अध्यक्ष का चुनाव 17 अक्टूबर होगा, 19 अक्टूबर को काउंटिंग होगी।

चुनावी शेड्यूल के मुताबिक, 22 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा, 24 सितंबर तक नॉमिनेशन किया जा सकता है. 30 सितंबर तक नामांकन पत्र वापस लिया जा सकता है। तय शेड्यूल के अनुसार 17 अक्टूबर को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा।

# पीएम मोदी ने 'मन की बात' में किसानों से की ये खास अपील, भारत के इस प्रस्ताव को 70 से ज्यादा देशों का मिला समर्थन

**नई दिल्ली, 28 अगस्त 2022।** स्थ्रस्रद्व ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देश की जनता को संबोधित किया। इस दौरान क्क्रू मोदी ने कुपोषण के खिलाफ अभियान के बारे में बात की। इसके बाद उन्होंने किसानों से मोटे अनाजों को उपजाने की अपील की।

पीएम मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले में जोरसिंग गांव में इसी महीने स्वतंत्रता दिवस के दिन से 4% इंटरनेट की सेवाएं शुरू हुई। जो सुविधाएं कभी सिर्फ बड़े शहरों में होती थी वो डिजिटल इंडिया ने गांव-गांव में पहुंचा दी है।

पहाड़ों की जीवनशैली और संस्कृति से हमें पहला पाठ तो यही मिलता है कि हम परिस्थितियों के दबाव में ना आएं तो आसानी से उन पर विजय भी प्राप्त कर सकते हैं, और दूसरा, हम कैसे स्थानीय संसाधनों से आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक प्रस्ताव पारित कर वर्ष

2023 को International Year of Millets घोषित किया है। आपको ये जानकर भी बहुत खुशी होगी कि भारत के इस प्रस्ताव को 70 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला था। आज, दुनिया भर में इसी मोटे अनाज का का क्रेज बढ़ता जा रहा है। बाजरा, मोटे अनाज, प्राचीन काल से ही हमारी खेती, संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। हमारे वेदों में भी बाजरा का उल्लेख मिलता है, और इसी तरह, पुराणनुरू और तोल्काप्पियम में भी, इसके बारे में, बताया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत, विश्व में बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, इसलिए इस पहल को सफल बनाने की बड़ी जिम्मेदारी भी हम भारत-वासियों के कंधे पर ही है। हम सबको मिलकर इसे जन-आंदोलन बनाना है, और देश के लोगों में मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता भी बढ़ानी है। मेरा, अपने किसान भाई-बहनों से, यही आग्रह है कि बाजरा, यानी मोटे अनाज को, अधिक-से-अधिक अपनाएं और इसका फायदा उठाएं।

## वाराणसी में गंगा ने पार किया लाल निशान, हजारों लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

**वाराणसी ,28 अगस्त 2022।** वाराणसी में तेजी से बढ़ रही गंगा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है, जहां निचले इलाकों में पानी आ गया। खतरे को देखते हुए 10,000 से अधिक परिवारों को राहत शिविरों और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। केंद्रीय जल आयोग के मध्य गंगा संभाग कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार आधी रात के बाद और दोपहर दो बजे तक गंगा का जलस्तर 71.26 मीटर के खतरे के निशान को पार कर गया था। शनिवार को यह 71.54 मीटर के निशान पर बह रही थी।

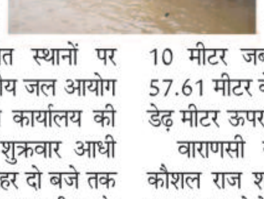

मिर्जापुर में नदी खतरे के निशान 77.72 मीटर के मुकाबले 77.46 मीटर पर बह रही थी।

गंगा का जलस्तर 63 के खतरे के निशान को पार कर गया है। गाजीपुर में 10 मीटर जबकि बलिया में यह 57.61 मीटर के खतरे के निशान से डेढ़ मीटर ऊपर बह रही है।

वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट कौशल राज शर्मा ने कहा, लगभग 10,500 लोगों को वरुणा नदी के साथ निचले इलाकों से स्थानांतरित कर दिया गया है।

## संपादकीय

# अब गेंहू आयात की नौबत

ये सारा प्रकरण एक बार फिर वर्तमान सरकार की कार्यशैली पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है। सरकार के अंदर निर्णय प्रक्रिया क्या अब ठोस आंकड़ों और हकीकत के पारदर्शी अनुमान पर आधारित नहीं रह गई है?

अगर इस खबर को कौतूहल से लिया गया है, तो उसमें लोगों का दोष नहीं है कि भारत सरकार अब गेहूं के आयात को प्रोत्साहित करने वाली है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी ये खबर चर्चित हुई है कि भारत संभवतः गेहूं आयात पर लगने वाले 40 फीसदी आयात शुल्क को हटा लेगी, ताकि कोराबारी प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर बाहर से गेहूं मंगवा कर देसी बाजार में संभावित कमी को पूरा कर सकें। इस खबर में कौतूहल इसलिए है, क्योंकि यूक्रेन शुरू होने के बाद इस वर्ष मार्च प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घोष किया था कि भारत पूरी दुनिया को खिला सकने की स्थिति में है। तब अचानक भारत सरकार ने नीति में बड़ा परिवर्तन लाते हुए गेहूं निर्यात की अनुमति दे दी। लेकिन दो महीने के अंदर सरकार को ये अहसास हुआ कि ये कदम भारतीय बाजारों में पहले ही ऊंची खाद्य मुद्रास्फीति दर को और और ऊपर धकेल सकता है। तो मई में निर्यात पर रोक लगा दी गई।

अब अगस्त में आयात को प्रोत्साहित करने की खबर चर्चित हुई है। वजह देश में गेहूं पैदावार में आई भारी गिरावट है। सरकार और बाजार का ताजा अनुमान है कि इस वर्ष गेहूं की पैदावार पहले लगाए गए अनुमान से बहुत कम रहेगी। इस अनुमान के कारण जुलाई में गेहूं की कीमत में बढ़ोतरी का ट्रेंड रहा। तो अब आयात को बढ़ावा देकर समस्या का हल निकालने पर विचार किया जा रहा है। लेकिन ये सारा प्रकरण एक बार फिर वर्तमान सरकार की कार्यशैली पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है। आखिर सरकार के अंदर निर्णय प्रक्रिया क्या अब ठोस आंकड़ों और हकीकत के पारदर्शी अनुमान पर आधारित नहीं रह गई है? विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि भारत कभी भी गेहूं का बड़ा निर्यात या आया तक नहीं रहा।

# कांग्रेस अध्यक्ष पद से क्यों दूर भाग रहें हैं गहलोत ?

**रमेश सर्राफ धमोरा**
झुंझुनू, राजस्थान

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद म्यूजिकल चेयर बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष का पद कांग्रेस नेताओं के इर्द गिर्द घूम रहा हैं। मगर सभी नेता अध्यक्ष बनने से इनकार कर रहे है। कांग्रेस पार्टी के हर बड़े नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी ही एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। मगर राहुल गांधी अध्यक्ष बनने से लगातार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को साफ शब्दों में कह दिया है कि वह किसी भी सूरत में कांग्रेस अध्यक्ष बनना नहीं चाहते हैं। वह बिना पद के ही पार्टी का काम करना चाहते हैं।

राहुल गांधी के इंकार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, वर्किंग कमेटी की सदस्य कुमारी शैलजा सहित कई नेताओं के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। मगर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अध्यक्ष का पद संभाले। अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता है। जो इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में वह सब के साथ तालमेल बिठाकर काम कर सकते हैं।

जैसे ही कांग्रेसी हलकों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अशोक गहलोत का नाम आगे आया वैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष बनने से इंकार कर दिया।

गहलोत का कहना है कि राहुल गांधी ही अध्यक्ष के रूप में पार्टी को मजबूत कर सकते हैं। अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कई कार्य प्रारंभ किए थे। जिसका लाभ आने वाले समय में कांग्रेस को मिलेगा। गहलोत राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए 250 से अधिक बड़े नेताओं से समर्थन लेकर राहुल गांधी को मनाने का प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत का कहना है कि मुझे राजस्थान की जिम्मेवारी मिली हुई है। जहां मेरा कार्यकाल बाकी है। अभी मैं राजस्थान की जनता की सेवा करना चाहता हूं। गहलोत का कहना है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ ही गुजरात में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें सोनिया गांधी ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में वह अपनी दोनों जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस की सरकार बनाएं। अभी वह इसी मिशन में लगे हुए हैं। ऐसे में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालना उनके लिए अनुकूल नहीं है।

यह सभी को पता है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता है। वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व नरसिम्हा राव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव, सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही गहलोत तीन बार राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता, तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे हैं। बहुमत नहीं मिलने पर भी जोड़-तोड़ कर वह दूसरी बार सरकार बनाकर सफलतापूर्वक चला रहे हैं ऐसे में वह किसी भी स्थिति में मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ना चाहते हैं।

गहलोत को पता है कि यदि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर जयपुर से दिल्ली जाते हैं तो उनके स्थान पर कांग्रेस आलाकमान उनके कट्टर विरोधी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना सकता है। जो गहलोत किसी भी स्थिति में नहीं होने देना चाहते हैं। अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा किसी से छुपा हुआ नहीं है। दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते है। कांग्रेस आलाकमान द्वारा अपने स्तर पर दोनों नेताओं के मध्य सुलह करवाने के उपरांत भी दोनों नेताओं के मन अभी तक नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नहीं चाहेंगे कि उनके बाद पायलट राजस्थान में मजबूत होकर अपने पैर जमा सके।

गहलोत को पता है कि राजस्थान की राजनीति व दिल्ली की राजनीति में बड़ा फर्क है। राजस्थान की राजनीतिक को तो वह वर्षो से अपनी अंगुली पर नचा रहे हैं। मगर दिल्ली जाने के बाद ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। उनको पता है कि यदि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन भी जाते हैं तो पार्टी तो गांधी परिवार के नियंत्रण में रहेगी। ऐसे में वह मात्र कठपुतली बनकर रह जाएंगे। ऊपर से राजस्थान भी उनके हाथ से निकल जाएगा।

अगले कुछ महीनों में गुजरात, हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। उसके बाद अगले साल कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव होंगे। यदि विधानसभाओं के चुनावी नतीजे कांग्रेस पार्टी के मनमाफिक नहीं रहते हैं तो पूरी जिम्मेदारी उनकी मानी जाएगी। तब असफलता का ठीकरा उनके सर ही फूटेगा। गहलोत किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं। इसीलिए वह दिल्ली जाने के लिए आनाकानी कर रहे हैं।

कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी कि अपनी-अपनी वफादारों की मंडली है। जिन की सलाह पर यह नेता काम करते हैं। यदि गहलोत दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इन वफादार नेताओं की बातों को अनसुना करते हैं तो उन्हें उनकी साजिशों का शिकार होना पड़ेगा। और उनका दिल्ली की राजनीति में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। अभी गहलोत राजस्थान में जैसा चाहते हैं वैसा ही पार्टी करती है। राजस्थान के अधिकांश मंत्री व विधायक उनके ही वफादार हैं। राजनीतिक नियुक्तियों में भी ज्यादातर गहलोत समर्थकों को बनाया गया हैं।

पिछले दिनों राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट के चुनाव हुये थे। जिनमें गहलोत ने कांग्रेस आलाकमान की पसंद को तवज्जो देते हुये तीनो ही बाहरी लोगों को चुनाव जीता कर भेजा था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला व प्रमोद तिवारी राजस्थान से राज्यसभा सांसद है। यह सभी दिल्ली की राजनीति में भारी-भरकम नेता माने जाते हैं तथा दिल्ली में गहलोत की खुलकर पैरवी करते हैं। दिल्ली में अपनी मजबूत लाबी के बल पर ही गहलोत पायलट को हासिये पर लगा पाये हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पांच बार लोकसभा, पांच बार विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। गहलोत 1980 में पहली बार लोकसभा सदस्य बने थे और उसी दौरान 1982 में इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में उप मंत्री बनाए गए थे। उसके बाद राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने पर भी गहलोत केंद्र सरकार में राज्य मंत्री बने थे। पी वी नरसिम्हा राव की सरकार में भी गहलोत को राज्यमंत्री बनाया गया था। इस तरह उनको तीन प्रधानमंत्रियों के मंत्रिमंडल में काम करने का अनुभव है। वही संगठन की दृष्टि से भी गहलोत इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, सीताराम केसरी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी के साथ काम कर चुके है। कांग्रेस में अभी उनसे पुराने नेता तो हो सकते हैं मगर उनसे वरिष्ठ नेता शायद ही कोई हो। जिसने इतने पदों का निर्वहन करते हुये सफलतापूर्वक इतनी लंबी राजनीतिक पारी खेली हो।

गहलोत को पता है कि राजनीति में हमेशा बहार नहीं रहती हैं। उदय के साथ अस्त भी होता है। इसी लिये वह चाहते हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करें और यदि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को प्रदेश में सफलता मिलती है तो वह फिर से मुख्यमंत्री ही बने। ना कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष। क्योंकि कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद आगे के सभी विकल्प बंद हो जाते हैं। इस बात का उन्हें बखूबी ज्ञान है। इसीलिए गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से इंकार कर रहे हैं।

## तीजा तिहार

**प्रिया देवांगन प्रियू**
राजिम छत्तीसगढ़

आवै मइके मा सबो,माने तीज तिहार।
बहिनी बेटी देख के,कुलकै अँगना द्वार।।
कुलकै अँगना द्वार,हाँस के गोठ सुनाथे।
दाई बाबू संग,
नवा लुगरा ल बिसाथे।।
रोटी पीठा राँध,
सुघर सब मिल के खावै।
महके घर परिवार,
बहन मइके जब आवै।।
करथे पूजा पाठ ला,
निर्जल रहे उपास।
बाबा भोलेनाथ हा,
हिरदै करे निवास।।
हिरदै करे निवास,
देव के आसिस पाथे।
जो माँगे वरदान,
सफल ओहर हो जाथे।।
अँचरा ला फैलाय,
शिवा झोली ला भरथे।
बाढ़े पति के उम्र,
आस पत्नी हा करथे।।
कतरा भजिया अउ बरा,
अम्मटहा के साग।
घर घर मा येहर बने,
जागे सब के भाग।।
जागे सब के भाग,
घरो घर बहिनी जावै।
घूम घूम के आज,
बरा भजिया ला खावै।।
जादा खावै जेन,
बढ़े ओखर जी खतरा।
तभो जीव ललचाय,
खाय बर भजिया कतरा।।

## क्यों भूल गया

**पूनम शर्मा स्नेहिल**
जमशेदपुर
बिहार

तुझसे नजरें मिलाना रहा याद पर,
तू वो गुजरा जमाना क्यों भूल गया।
माना सबसे हंसी हम नहीं थे कभी,
दूर जाकर तू आना क्यों भूल गया।
बीते सावन के के ई पर तू आया नहीं,
अब वो चाहत निभाना क्यों भूल गया।
वो मोहब्बत की बातें जो होती थी यूं
आप वो सब सुनाना क्यों भूल गया।
माना चाहत तेरी अब है बिल्कुल नई,
मेरी गलियों में आना क्यों भूल गया।
वक्त ने भी किया कैसा मुझपे सितम,
तू ये रिश्ता बचाना क्यों भूल गया।
माना महफिल हंसी थी उनकी बढ़ी,
लौट कर तू यूं आना क्यों भूल गया।
स्नेहिल तू गम अब ना करना कभी,
यादों का वो खजाना क्यों भूल गया।।

## खेल दिवस विशेष

**प्रीति चौधरी मनोरमा**
बुलन्दशहर
उत्तरप्रदेश

एक ख्वाब नन्हा सा पलने दो,
मासूम बचपन को चलने दो,
खेलेगा भारत,खिलेगा भारत,
खेलविधि से पठन-पाठन चलने दो।
समझदारी की किताब बंद करके,
शरारतों को मन में मचलने दो।
बेतहाशा हँसो बालकों की तरह,
मन को खोल से निकलने दो।
आरजू की उड़ान को रोको नहीं,
उम्मीदों का कारवाँ यूँ ही चलने दो।
हम बन जाएँ बच्चे फिर से,
मन की फितरत को बदलने दो।
खेलते रहो देर तक बेफिक्र,
ढलता है सूरज तो ढलने दो ।
यादों का कारवां रुकने न पाये,
सर्द हृदय पाषाण को पिघलने दो।

## भोले सब आसान करेंगे

**कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम**
इन्दौर,मध्यप्रदेश

याद करो भोले को मन से,
सब-कुछ अर्पण कर दो,
झूम उठे तन मेरा-तेरा,
ऐसा कुछ तुम कर दो ।
याद करो भोले को ....
सूरत देख कर भोले की ,
ज्यूं फूल प्रमुदित होते हैं ,
धरा झूम जाती है ऐसे,
सावन की रुत आती जैसे।
याद करो भोले को ....
मन की वीणा झंकृत कर दो,
भोले को भी जागृत कर दो,
तार मिले दोनों के ऐसे,
गंग धार बहे धरा पर जैसे।
याद करो भोले को ...
मन भर भोले से बातें कर ,
कुछ अपनी कुछ दुनिया भर की,
रहे न आस फिर कोई,
भोले से फिर इस जीवन की।
याद करो भोले को ....
कैसी भी हो विकट स्थिति,
भोले साथ नहीं छोड़ेंगे,
हम भोले का ध्यान धरें बस,
भोले सब आसान करेंगे।
याद करो भोले को .....

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# प्रदूषित जलःआखिर,समाधान क्या है ?

केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का हाल में चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके अनुसार देश की 80 प्रतिशत आबादी जहरीला पानी पी रही है।

मंत्रालय के जरिए राज्य सभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 29 राज्यों के 491 जिलों के ग्राउंड वॉटर में आयरन और 25 राज्यों के 209 जिलों में आर्सेनिक की मात्रा तय मानक से अधिक है। 18 राज्यों के 162 जिलों के भूजल में यूरेनियम, 16 राज्यों के 62 जिलों में क्रोमियम और 11 राज्यों के 29 जिलों में कैडमियम की मात्रा तय मानक से ज्यादा पाई गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, 671 इलाके फ्लोराइड, 814 इलाके आर्सेनिक, 14079 क्षेत्र आयरन, 517 क्षेत्र नाइट्रेट और 111 क्षेत्र भारी धातु से दूषित हैं। पानी में इन धातुओं के तय मानक से ज्यादा मात्रा में पाए जाने का मतलब है कि ये पानी को जहरीला कर रही हैं। इससे पेट दर्द और उल्टी दस्त से लेकर चर्म रोग, गुर्दे, लीवर, हड्डी और नर्वस सिस्टम से संबंधित बीमारियां, ट्यूमर, अल्जाइमर और कैंसर जैसी गंभीर बीमरियां तक हो सकती हैं।

चौंकिए मत! क्योंकि यह किसी और की करतूत का नतीजा नहीं है। यह सब-कुछ हमारा-आपका किया-धरा है। 'जल ही जीवन है'-इस सुविचार को हम बचपन से सुनते आए हैं, लेकिन क्या कभी इस ओर हमने ध्यान दिया। नहीं ना! बस केवल उसका दोहन करते रहे। तभी तो नौबत आज यहां तक आ पहुंची है। जलवायु परिवर्तन के नतीजे अभी तक तो प्रदूषण इत्यादि के रूप में हमारी धरा पर ऊपर-ऊपर ही नजर आते थे लेकिन अब इनका प्रभाव धरती की गहराई में मौजूद ग्राउंड वाटर तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि भारत की आधी से ज्यादा आबादी गांवों में रहती है। अमूमन माना जाता है कि गांव के लोगों को सबसे शुद्ध हवा-पानी मयस्सर है। जल शक्ति मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस धारणा को भी झुठलाते प्रतीत होते हैं। इसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर तो और भी भयावह है क्योंकि इन इलाकों में पीने के पानी का मुख्य स्रोत यही भूजल है। यहां के लोग सीधे हैंडपंप, कुआं, बोरवेल और नदी-तालाब से पानी लेकर पी रहे हैं, जिन्हें शुद्ध करने का कोई माध्यम नहीं है। इसलिए ग्रामीण जहरीले पानी को गटकने के लिए विवश हैं।

इसके बरक्स कुछ हद तक शहरों में भूजल सीधे पीने के लिए सप्लाई नहीं होता। उन्हें जल संयंत्रों द्वारा संशोधित करके पीने का पानी घरों में सप्लाई किया जाता है। कुछ घरों में लोग निजी वॉटर प्यूरिफॉयर और आरओ लगवाकर दूषित पानी से अपनी सुरक्षा करते हैं। धनाढ्य लोगों के नसीब में बोतलबंद पानी भी है। यह खुशनसीबी चंद लोगों के भाग्य में ही है क्योंकि अधिकतर लोग आरओ और बोतलबंद पानी का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं।

शहरों में औद्योगिक गतिविधियां अधिक होने से यहां ग्राउंड वॉटर में इन जहरीली धातुओं की मात्रा ग्रामीण क्षेत्रों से भी ज्यादा पाई जाती है। ऐसे में यहां के लोग खराब क्वालिटी के प्यूरिफायर प्लांट से शोधित पानी को सस्ती दरों में लेकर पीने को मजबूर हैं। अभी तो कम से कम यह जहरीला पानी हलक तर करने के लिए मिल भी जा रहा है। भविष्य में पता नहीं यह भी नसीब होगा या नहीं क्योंकि इस साल देश-दुनिया में पड़ी भीषण गर्मी का असर पूरे देश के भूजल स्तर पर पड़ा। इस दौरान देश के ज्यादातर हिस्सों में भूजल स्तर काफी नीचे चला गया। इससे साफ है कि 'जल बचाएं, भविष्य बचाएं' जैसी बातों को भी हमने जीवन का ध्येय वाक्य बनाने की बजाय केवल नारे के रूप में ही लिया।

अजीब बात है कि हमारी सिंधु घाटी की प्राचीन सभ्यता विशेषकर धोलावीरा से जल संरक्षण और प्रबंधन के बेहतरीन प्रमाण मिलते हैं, लेकिन हमारी आज की आधुनिक सभ्यता के लोग इससे बेपरवाह नजर आते हैं। बरसों से वर्षा जल संचयन की बातें हो रही हैं, लेकिन जमीनी सतह पर इसका कोई असर नजर नहीं आता। कहने को तो जल संसाधन मंत्रालय हमेशा से केंद्र सरकार के अधीन रहा है। उसमें नदी विकास और गंगा संरक्षण भी जुड़ गया है। अब तो विधिवत अलग जल शक्ति मंत्रालय है। राज्यों के भी इसके लिए अलग मंत्रालय और विभाग हैं। केंद्र की परियोजनाओं एवं यूनिसेफ के वॉटर, सैनिटेशन एंड हाईजीन (वॉश) कार्यक्रम के तहत हजारों एनजीओ काम कर रहे हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन-पात है।

केंद्र सरकार ने अगस्त, 2019 में जल जीवन मिशन लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य 2024 तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक पीने का पानी टोंटी के जरिए पहुंचाना है। देश के 19.15 करोड़ ग्रामीण घरों में से 9.81 करोड़ घरों तक टैप वॉटर सप्लाई हो चुकी है यानी लगभग आधे लक्ष्य की प्राप्ति हो चुकी है। इसके अतिरिक्त अक्टूबर, 2021 में अमृत 2.0 स्कीम भी शुरू की गई है। इसके जरिए अगले पांच बरसों में सभी शहरों को टैप वॉटर सप्लाई करने का लक्ष्य है। निःसंदेह ये आंकड़े सुकून देने वाले हैं, लेकिन असल सवाल अब भी वही है कि इस पानी को सप्लाई करने वाले स्रोत-भूजल-के संरक्षण के लिए क्या किया जा रहा है?

**-मोहम्मद शहजाद-**

## ख्वाहिशों का रूख

**पुष्पा स्वाती**
मुम्बई

इश्क खुद से रूहानी हो जाए
खुद पे भी मेहरबानी हो जाए
जाम अश्कों के बहे भर भर के
आंखें अब शादमानी हो जाएं
जुस्तजू करले खुद से मिलने की
कोई ऐसी कहानी हो जाए
खुशबू घुल जाए ऐसे कल्बो ज़िगर
दिल की यूं बागबानी हो जाए
करले खुद की भी जरा आराईश
आईना भी नूरानी हो जाए
मोड़ दे ख़्वाहिशों का रूख़ ऐसे
अपनी भी निगहबानी हो जाए
कर गुजर कुछ तो अब ऐसा स्वाती
याद सबको जुबानी हो जाए

## सौगात

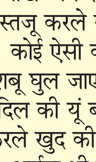

**प्रियंका अग्निहोत्री गीत**
वाराणसी उत्तरप्रदेश

उनसे अब पहले की सी बात नहीं होती
मिलते तो रहते हैं, मुलाक़ात नहीं होती
मेहमान-नवाज़ी के भी ज़माने गुज़र गए
घर आये कोई कहीं मुदारात नहीं होती
निकल जाते थे भीगने बारिश में बेवजह
अब के इस दौर में वो बरसात नहीं होती
खोने पे आये इसको तो फिर से ये जाना
सच ज़िन्दगी से बड़ी सौग़ात नहीं होती
जज़्ब होने लगे हैं जज़्बात मुझमें गीत
अब कहीं शिद्दत-ए-जज़्बात नहीं होती

## धड़कन में

**ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर**
भोपाल मध्यप्रदेश

हर वक्त एक सवाल जेहन में रहता है।
वो कौन है जो मेरी धडकन में रहता है।
मंदिर मंदिर क्यों ढूंढते हो भगवान को,
जब उसका वजूद कण कण में रहता है।
मुश्किलें आसां हो जाती है ममता की छावं में,
ताउम्र दुआओं का असर जीवन में रहता है।
जहाँ को देते हो तुम फरेब, मुखौटे सजा के,
झूठा चेहरा कब मन दर्पण में रहता है।
बेटे की आस में, क्यूँ देते हो खुद को फरेब,
हर फूल अच्छा ,घर के आँगन में रहता है।

# सही नहीं वक्त की बर्बादी

भारतीय संसदीय प्रणाली पूरी दुनिया में एक नजीर है। यह प्रणाली यह तय करती है कि इस देश में नीति व कानून कैसे बनाए जाएंगे और जो कुछ तय होगा, उसकी जवाबदेही जितनी कार्यपालिका की होगी, उतनी ही विधायिका की भी।

यह सत्ता की शक्ति को संतुलित करने की प्रकिया भी है। इसलिए संसद का प्रावधान है और सत्तासीन पक्ष के लिए यह जरूरी है कि यदि वह कोई नया कानून इस देश में लागू करना चाहता है तो उसे संसद में उसे विचारार्थ रखना होगा। हमारे देश में तो लोक सभा और राज्य सभा के रूप में दो सदनों की व्यवस्था है। साथ ही, हमारे देश के संविधान निर्माताओं ने यह तय किया था कि जब तक दोनों सदनों में सहमति नहीं बन जाती है अथवा बहुमत प्राप्त नहीं हो जाता है, तब तक देश में कोई कानून नहीं बनेगा।

दरअसल, जब संसद का विचार हमारे संविधान के निर्माताओं के जेहन में आया होगा तब उन्होंने यह जरूर सोचा होगा कि कार्यपालिका को जवाबदेह कैसे बनाया जाए? इसके लिए भी उन्होंने संसद को तरजीह दी और संसद को यह अधिकार दिया कि वह सवाल खड़ा करे और सत्ता पक्ष के सवालों का जवाब दे, लेकिन मौजूदा दौर में चुनौती यह है कि संसद की महत्ता को कम किया जा रहा है। और यह केवल सत्ता पक्ष यानी कार्यपालिका के द्वारा ही नहीं, बल्कि विपक्ष के द्वारा भी किया जा रहा है। यह बेहद दुखद है। मसलन; हाल ही में 8 अगस्त, 2022 को संसद के मानसून सत्र को पूर्व निर्धारित सीमा से चार दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया, जबकि पहले इस सत्र को 12 अगस्त, 2022 तक चलना था।

सत्ता पक्ष की ओर से इस बारे में कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है। हालांकि सत्ता पक्ष इस बात के लिए विपक्ष पर हमलवार जरूर रहा कि उसने संसद की कार्यवाही में सहयोग नहीं किया और हंगामा किया। इससे पहले कि हम संसद के मानूसन सत्र में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करें, पहले हम यह देखें कि इस सत्र के दौरान क्या हुआ। मानसून सत्र 12 अगस्त तक चलना था, लेकिन सरकार की सलाह पर इसे चार दिन पहले ही स्थगित कर दिया गया। राज्य सभा इस दौरान कुल 36 घंटे कार्यवाही चली, जबकि लोक सभा की कार्यवाही कुल 44.29 घंटे रही। लोक सभा में कुल 16 बैठकें हुई और उत्पादकता के हिसाब से कहें तो उपलब्धि मात्र 48 फीसद रही। लोक सभा की तरह राज्य सभा में भी कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के कारण 47 घंटे कामकाज बाधित रही। राज्य सभा के निवर्तमान सभापति वेंकैया नायडू जो इस पद पर अपने आखिरी सदन का संचालन कर रहे थे, ने अफसोस व्यक्त किया कि विपक्ष ने कार्यपालिका को जवाबदेह बनाने का अवसर गंवा दिया। दरअसल मानसून सत्र के महंगाई एक बड़ा मसला उभरकर सामने आया। विपक्ष इस सवाल पर सरकार से विस्तृत जवाब की मांग कर रहा था, जबकि सत्ता पक्ष की रणनीति इस मुद्दे को टालने की रही। नतीजतन सत्र शुरू से लेकर अंत तक हंगामे का शिकार हुआ। इस दौरान 23 विपक्षी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई, जिसके कारण भी सदन की कार्यवाही बाधित हुई। संसद के मूल्यवान समय को कैसे जाया होने दिया गया, इसका अनुमान इसी मात्र से लगाया जा सकता हे कि मानसून सत्र के दौरान लोक सभा में सरकार केवल छह सरकारी विधेयक आए। इनमें राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक-2022, वन्यजीव संरक्षण संशोधन विधेयक-2022, केंद्रीय विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2022 और ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक-2022 शामिल हैं। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं कि कार्यपालिका ने भी मानसून सत्र के पहले अपना काम पूर्ण नहीं किया था। रही बात महंगाई के सवाल पर चर्चा की तो लोक सभा में इस मुद्दे पर छह घंटे 25 मिनट तक चर्चा हुई। फिर राज्य सभा में भी चर्चा हुई और कार्यपालिका की तरफ से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया, लेकिन यह तब हुआ जब विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा रहा। ऐसे में यह सवाल तो जरूर उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सत्ता पक्ष ने महंगाई के सवाल पर प्रारंभ में चर्चा नहीं होने दी। हालांकि प्रारंभ में सत्ता पक्ष ने केंद्रीय वित्त मंत्री की अस्वस्थता की जानकारी अवश्य दी थी, लेकिन कार्यपालिका के पास और भी विकल्प अवश्य थे।

मुमकिन था कि कार्यपालिका प्रमुख होने के नाते सीधे प्रधानमंत्री इस चर्चा में भाग ले सकते थे या फिर किसी प्रभारी मंत्री को यह जिम्मेदारी दी जा सकती थी। विपक्ष को भी इस बिंदु पर सकारात्मक तरीके से विचार करना चाहिए था। खैर, संसद के समय को किस तरह जाया होने दिया गया, इसका एक अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि लोक सभा में कुल 16 दिन बैठकें हुई और इस दौरान शून्यकाल के दौरान केवल 98 मामले उठाए गए और इनमें भी करीब आधे पर सरकार की ओर से जवाब दिया गया। इसी प्रकार लोक सभा संचालन नियमावली के नियम 377 के तहत 318 तारांकित व अतारांकित प्रश्न उठाए गए। यदि लोक सभा के कुल सदस्यों की संख्या के लिहाज से देखें तो ये दोनों संख्या बहुत कम हैं। यह संसद के सदस्यों के लिए सवाल भी है कि क्या उनके पास सवाल ही नहीं थे? यह बात ध्यातव्य है कि ये प्रश्न आम जनता से जुड़े प्रश्न होते हैं।

दरअसल, यही संसद सदस्यों के होने की सार्थकता का पर्याय भी है और यही बात बात कार्यपालिका के लिए भी लागू होती है कि जनता के जो सवाल सीधे संसद में उठाए जाते हैं, उनके प्रति वह कितना गंभीर है। दरअसल, लोकतंत्र के लिए जितना संवैधानिक प्रावधान महत्त्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्त्व लोकाचार का भी है। यह पहली बार नहीं हुआ है कि संसद में हंगामा हुआ है। पहले भी हंगामे होते रहे हैं, लेकिन इसकी एक सीमा अवश्य तय होनी चाहिए। कार्यपालिका संसद के प्रति जवाबदेह रहे, यह सुनिश्चित करना संसद के सदस्यों को है। वहीं कार्यपालिका की जिम्मेदारी है कि वह संसद की मर्यादा को समझे। संसद को केवल राजनीतिक बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप का स्थान न बनाएं। इतनी शुचिता का ध्यान तो दोनों पक्षों को रखना होगा। दोनों पक्षों का यही प्रयास संसद की महत्ता को बरकरार रखेगा और देश हित में अहम फैसले सर्वसम्मति से लिये जाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

**-नवल किशोर कुमार-**

# लेखक और वक्ता समाज का आईना

**भावना ठाकर,**
बेंगुलूर
कर्नाटक

एक लेखक और वक्ता समाज का आईना होते है। दुन्यवी हर शै पर समाज के हर मुद्दों पर लिखन-बोलना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। पर आजकल के कुछ लेखक और वक्ता बिकाऊ सामान जैसे बन गए है। समाज को सही राह दिखाना और असत्य को कुरेद कर सत्य तक पहुँचना और सत्य को उसके असली स्वरूप में प्रजा के सामने रखना उनका धर्म है पर आज पैसों की खनकार पर नाचते नज़र आ रहे है।

लेखक की कलम और वक्ता की वाणी जब किसीकी गुलाम बन जाती है तब अपना मूल रुप और कलात्मक अभिव्यक्ति खो देते है। चाहे सरकार हो, चाहे कोई राजनीतिक पार्टी हो या कोई भी मुद्दा हो, एक तरफ़ा समीक्षा लोगों के दिमाग में उस मुद्दे के प्रति नकारात्मक ग्रंथी को जन्म देती है।

आज हमारे देश में यही हो रहा है, टीवी पर न्यूज़ चैनल से लेकर कुछ पत्रकार और प्रमुख पार्टियों के सदस्य चाटुकारिता और पक्ष-विपक्ष की गुलामी करते ही नज़र आ रहे है। खुद भी भीतर जानते होते है कि जो मुँह से उगल रहा है वह सही नहीं है। किसी व्यक्ति विशेष को अच्छा दिखाने की होड़ में या अपनी पार्टी की छवि को बेदाग दिखाने के लिए देशद्रोह कहाँ का न्याय है। चाहे संबित पात्रा हो या असदुद्दीन ओवैसी या रविश कुमार ये जब भी मुँह खोलते है ऐसा लगता है देश के दो हिस्से करने के लिए ही बैठे है।

कई पत्रकार अपना असली मकसद भूलकर सच को झूठ का लिबास पहनाकर कवर स्टोरी बना लेते है। पर ये लोग नहीं जानते उनकी ये नीति देश को तोड़ने का काम कर रही है। सरकार की गलती पर पर्दा डालना, या किसी पार्टी की तरफ़ अपने मानसिक झुकाव की वजह से विपक्ष पर बिना मतलब तानें कसना प्रजा के दिमाग में ज़हर घोलने का काम करता है।

लेखक और वक्ता एक समाज सेवक होते है। लेखन में सत्य का प्रमाण भी उतना ही जरूरी है जितनी वाणी में सरस्वती। आपका लिखा पढ़ कर अगर दो लोगों के विचार भी बदलते है तो लिखना सार्थक होगा। सत्य के साथ खड़े रहकर अपनी कलम को वाचा देना एक लेखक को महान बनाता है। या आप एक वक्ता है तो अपनी भाषा पर लगाम कसते समाज में जागरूकता लाने वाले भाषणों से अपनी शख़्सीयत को सम्मानित कीजिए, मुनाफ़ाखोरों को, भ्रष्टाचारीयों को और गद्दारों को बेनकाब करके देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, नांकि ज़हर उगल कर धर्मांधता फैलाते, या सरकार के विरुद्ध बिना सोचे समझे कुछ भी बोलकर वैमनस्य फैलाए।

प्रजातंत्र देश में हर तरह की मानसिकता वाले लोग होते है, और कुछ लोग टीवी पर भाषण दे रहे वक्ताओं को सही समझकर अपनी सोच को परे रखकर अनुसरण करते रहते है। जिसकी वजह से जातिवाद और धर्मांधता फैलती है दंगे होते है और देश में अशांति और अराजकता फैलती है। लेखक और वक्ताओं को अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए और अपनी छवि के साथ देश की छवि को भी अपनी कलम और वाणी की सुंदरता से उभारना चाहिए।

# एमपी के सिंह परिवार के 7 सदस्य रमदहा जलप्रपात में डूबे

» रमदहा जलप्रपात में दुःखद हादसा,7 डूबे,3 की मौत,3 लापता,रेस्क्यू जारी,1 युवती को सुरक्षित निकाला गया।
» मुख्यमंत्री ने रमदहा जलप्रपात में हुए हादसे पर दुःख व्यक्त किया,कलेक्टर को दिए रेस्क्यू ऑपरेशन मॉनिटर करने के निर्देश।
» रमदहा वॉटर फॉल में डूबे 3 लापता लोगों की तलाश जारी।

-संवाददाता-
**बैकुण्ठपुर/जनकपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
कोरिया जिले के विकासखंड भरतपुर के रमदहा जलप्रपात में 07 लोगों के डूबने की खबर मिली। सूचना मिलते ही कोटाडोल पुलिस घटनास्थल पहुंच गयी है। स्थानीय लोगों के अनुसार उनमें से एक युवती व एक युवक को बाहर निकाला गया है। जिसमें से युवक की मौत हो चुकी थी। पानी में लापता पांच अन्य की तलाश जारी रही। समाचार लिखे जाने तक प्रशासनिक पुष्टि व घटना की विस्तृत जानकारी नही मिल पाई थी।घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार सभी मध्यप्रदेश के बैढ़न निवासी हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रमदहा जलप्रपात में हुए हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है साथ ही मुख्यमंत्री ने कोरिया कलेक्टर को रेस्क्यू ऑपरेशन पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं।
उल्लेखनीय है कि आज रमदहा जलप्रपात में बैकुंठपुर मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर में एक दुखद हादसा हुआ है, जिसमें मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के 7 लोग पानी में डूब गए, जिसमें से 4 को बाहर निकाल लिया गया है, जिन्हें अस्पताल भेजा गया है, जिसमें से 3 की मृत्यु हो गयी है। एक की हालत अभी सही है। शेष 3 लोगों की तलाश जारी है। भरतपुर विकासखंड स्थित रमदहा जल प्रपात में दुःखद घटना की जानकारी मिलते ही जिला व स्थानीय प्रशासन अलर्ट हुआ व तत्काल बचाव कार्य प्रारंभ किए गए। प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और रेशक्यू कार्य जारी किया गया। बैकुंठपुर से नगरसेना की टीम रवाना की गई। जिले के भरतपुर विकास खण्ड में स्थित रमदहा वाटर फाल में रविवार को दुःखद हादसा हुआ। वाटर फॉल में नहाने उतरे 7 लोग गहरे पानी में डूब गए। ये सभी पिकनिक मनाने आए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल एक युवक व एक युवती को बाहर निकाल लिया गया है। जिसमें से युवक की मौत की ख़बर है। वहीं पानी में लापता अन्य की तलाश जारी है। ये सभी लोग मध्यप्रदेश सीधी ज़िले के बैढ़न से रविवार को भरतपुर विकास खंड अंतर्गत रमदहा वाटर फॉल पिकनिक मनाने आए हुये थे। नहाने के लिये वे पानी में उतरे थे। इसी दौरान सभी गहरे पानी में डूब गए। घटनास्थल में काफी संख्या में लोग जुट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहला मौका नहीं है इसके पहले भी यहां कई जानें जा चुकी है। यह जल प्रपात देखने में जरूर छोटा दिखता है लेकिन इसकी गहराई का अंदाजा यहां आने वाले लोग नहीं लगा पाते और इस प्रकार के हादसे का शिकार हो जाते हैं।समाचार लिखे जाने तक जो जानकारी प्राप्त हुई थी वो इस प्रकार है।

### रमदहा जलप्रपात असुरक्षित भ्रमण के लिए डेंजर जोन भी घोषित है

उक्त वाटर फॉल में सुरक्षा के मद्देनजर वन विभाग द्वारा हिदायती, चेतावनी बोर्ड पहले से ही लगाया गया है। वाटर फॉल बहरासी वन परिक्षेत्र अंतर्गत आता है। रेंजर इंद्रभान पटेल ने बताया की वन विभाग की ओर से वहां पर असुरक्षित भ्रमण के लिए डेंजर जोन भी घोषित किया गया है। साथ ही उन्होंने बताया की विभाग के कर्मचारियों द्वारा वाटर फॉल में पहले भी कई बार शराब पीकर उत्पात करने वालों को समझाईश दी जाती रही है।और डेंजर जोन क्षेत्र से अवगत कराया जाता रहा है। बहरहाल मध्य प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर सिंगरौली कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा भी घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके थे।

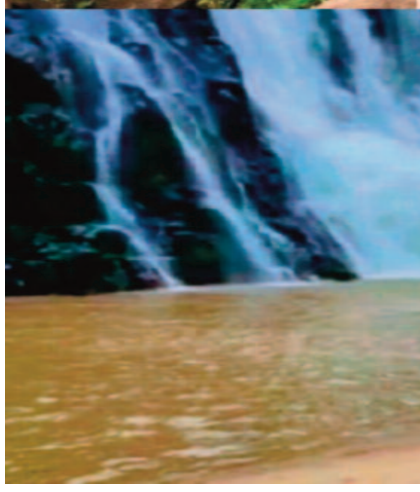

ग्रामीण ने बताया गया कि हम लोग यह मंदिर निर्माण के काम मे आये थे 10 से 15 लोग लगभग यहा आये थे पहले नहाये फिर खाना खा कर नहाने गये जहाँ कुछ देर बाद बचाव बचाव की आवाज आने लगी तभी हम लोग दौरे बचने के लिए ग्रामीण शिव कुमार के द्वारा बताया गया कि हम लोग कम करने गए थे जहाँ देखे की झरने के नीचे कुछ लोग दुब रहे थे जिसे बचने के लिए दोड़े पर नहीं बचा पाए।
**शिव कुमार,गुलशन कुमार ग्रामीण**

सरपंच ने आरोप लगाया गया कि प्रशासन द्वारा यह सुरक्षा व्यवस्था की कोई भी व्यवस्था नही की गई है जिससे इस प्रकार की घटना आज फिर घटी है।
**पूर्व सरपंच-**

**डूबने वालों की जानकारी**
1, श्वेता सिंह पिता कमलेश सिंह 22 निवासी - निगाही कॉलोनी
2, हिमांशु सिंह पिता कमलेश सिंह उम्र 18 वर्ष, निगाही कॉलोनी
3, श्रद्धा सिंह पिता कमलेश सिंह उम्र 14 साल
4, अभय सिंह पिता योगेंद्र सिंह उम्र 22 वर्ष जयंत कॉलोनी
5, ऋषभ सिंह पिता अनिल सिंह उम्र 24 साल निवासी, माजन मोड़
बचाया गया
6, सुरेखा सिंह पति ऋषभ सिंह 22 साल माजन मोड़
मौत हो गई
7, रत्नेश सिंह पिता योगेंद्र सिंह 26 साल जयंत कॉलोनी

# अत्यंत गरीब युवक की मौत,युथ क्लब समाज सेवी संस्था के सदस्यों ने किया अंतिम संस्कार

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।.**
मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र विभाग में भर्ती एक युवक की मौत बाथरूम में पैर फिसलने से अंदरूनी चोट लेने से हो गई। 25 अगस्त को उसे मोतियाबिन्द का ऑपरेशन हुआ था। युवक की मौत से इसके परिजन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार अत्यंत गरीब है। मृतक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिजन के पास उसके अंतिम संस्कार करने के भी पैसे नहीं थे। इस स्थिति में शहर के समाजसेवी संस्था संकल्प युथ क्लब के सदस्यों ने मानवता का परिचय देते हुए परिवार को आर्थिक मदद ही नहीं बल्कि मृतक के परिवार होने का भी फर्ज निभाया और कंधा देकर पूरी विधिविधान से मृतक के शव का अंतिम संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार देवी सिंह उम्र 46 वर्ष विशुनपुर थाना गांधीनगर का रहने वाला था। उसे 25 अगस्त को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र विभाग में मोतियाबिन्द का ऑपरेशन कराया गया था। इसके बाद उसे वार्ड में शिफ्ट करा दिया गया था। देर रात को वह शौच के लिए बाथरूम में गया था। जहां पैर फिसलने से वह गिर गया और जख्मी हो गया था।
वार्ड में देख रेख के लिए मृतक का बड़ा बेटा था। पर रात में सो जाने के कारण उसे कुछ पता नहीं चला और मृतक काफी देर तक बाथरूम में ही पड़ा रहा। बेटे को जब जानकारी लगी तो वह उसे बाथरूम से घायल अवस्था में उठाकर अस्पताल में आपातकालीन कक्ष में ले गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान 27 की दोपहर उसकी मौत हो गई।

### इंसान होने का निभाया फर्ज

एक परिवार पर उस समय आफत आ पड़ी जब घर के कमाऊ सदस्य की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हो गई। परिवार अत्यंत गरीब है। मृतक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिजन के पास उसके अंतिम संस्कार करने के भी पैसे नहीं थे। इस स्थिति में समाजसेवी संस्था संकल्प युथ क्लब के सदस्यों ने मानवता का परिचय देते हुए परिवार को आर्थिक मदद ही नहीं बल्कि मृतक के परिवार होने का भी फर्ज निभाया और कंधा देकर पूरी विधिविधान से मृतक के शव का अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यां ने कहा कि संस्था के सदस्यों ने कहा कि हम लोग इंसान होने का फर्ज अदा किया है। हर इंसान को दूसरे इंसान की मजबरी को समझनी चाहिए। अंतिम संस्कार में अंकुर सिन्हा, अजीज टोप्पो, विकास सिंह चौहान आयुष सिन्हा, अमरनाथ बाघे, बाबू साहू, देवप्रताप, रुदन बड़ा, राम सिन्हा, साहिल टोप्पो, मोनू ठाकुर शामिल रहे।

# दो ज्वेलरी दुकानों में चोरी की कोशिश करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।.**
गांधीनगर पुलिस ने दो चोर को गिरफ्तार किया है। 27 अगस्त की देर रात एक आरोपी द्वारा थाना क्षेत्र के एक ज्वेलर्स दुकान में चोरी की प्रयास की जा रही थी। दुकान संचालक के लड़का द्वारा दुकान में लगे सीसीटीवी को अपने मोबाइल के माध्यम से चेक किया तो दुकान में चोरी की प्रयास करते एक युवक नकाब पहन कर दिखा। दुकान संचालक द्वारा पहुंचते ही दोनों आरोपी फरार हो गए थे। रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।
जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र निवासी चंद्रकिशोर सोनी का न्यू राज ज्वेलर्स की दुकान है। दुकान संचासलक 27 अगस्त की रात 10 बजे दुकान बंद कर अपने घर चला गया था। रात करीब 1-40 बजे दुकान संचालक का लड़का दुकान में लगे सीसीटीवी को मोबाइल के माध्यम से चेक किया, जो दुकान में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा नकाब पहनकर, दुकान का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास कर रहा था। प्रार्थी द्वारा देख लेने पर आरोपी मौके से भाग गया था। दुकान संचालक की रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया गया। आरोपियों के हुलिया एवं पहने कपड़े के आधार पर पुलिस ने हुबलाल और रामसकर निवासी उत्तर प्रदेश हिरासत में लिया गया। दोनों सुभाषनगर किराए के रूम रहकर काम करते हैं। आरोपियों से पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा ज्वेलर्स दुकान में चोरी करने की घटना को स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त सब्बल भी जब्त किया गया है। आरोपियों द्वारा 26 अगस्त को भी गांधीनगर के राधे कृष्ण ज्वेलर्स दुकान में चोरी करने का प्रयास कया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर मो. कलीम खान, विनय सिंह, नवल किशोर दुबे, आरक्षक प्रवीण सिंह, अमृत सिंह शामिल रहे।

# जैसा हम बीज बोते हैं वैसा ही हमें फल मिलता है : अनिरुद्धाचार्य

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
. नारायणी परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के आज दूसरे दिन में धाम वृंदावन से पधारे पूज्य श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के पावन मुखारविंद से कथा का श्रवण पान करने पधारे हजारों भक्तों को आज द्वितीय दिवस की पावन कथा में आरती के साथ शुभारंभ करते हुए बताया कैसे हम अपने कर्मों से महान बनते हैं कैसे हमारे कर्म ही हमें पूजनीय वंदनीय बनाते हैं और कैसे हमारे कर्मों के बिगड़ जाने पर हम इस समाज से तिरस्कृत किये जाते हैं । वह कर्म ही है जो हमें महान बनाते हैं कर्म ही हमें योग्य बनाते हैं ।इस करण आप यह देखें कि आप जो भी कर्म कर रहे हैं क्या वह आपकी और भगवान की दृष्टि में सही हो सकते हैं ।
कर्म प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करहि सो तस फल चाखा
तुलसीदास जी की इस चौपाइ का अर्थ बताते हुए पूज्य महाराज जी ने बताया - की तुलसीदास जी कहते हैं कि यह विश्व, यह जगत कर्म प्रधान है। जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है। इस प्रकार कर्मों की प्रधानता के ऊपर से प्रकाश डालते हुए बताया साथ ही वहां बैठे हजारों भक्तों को अपनी मधुर आवाज में संगीत के साथ मधुर भजनों का आनंद प्राप्त कराया ।जिससे वहां बैठे लोग मस्ती और आनंद में होकर झूमने लगे । दिव्य आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ में कथा का विश्राम हुआ । बंसल परिवार पावड़ा साहू वाले समस्त भक्त जनों के साथ उपस्थित रहे ।

# बस-ट्रक में जबरदस्त भिड़ंत,मची चीख-पुकार,2 दर्जन महिला-पुरुष व बच्चे घायल,7 की हालत गंभीर

**अम्बिकापुर-बनारस मार्ग पर आमने-सामने हुई भिड़ंत, ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से भिड़ गई थी बस,**

-संवाददाता-
**वाड्रफनगर.,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
वाराणसी-अम्बिकापुर मार्ग पर रविवार को पीपराखांड़ के समीप बस और ट्रक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस दौरान यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे में बस में सवार 2 दर्जन महिला-पुरुष व बच्चे घायल हो गए। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल बभनी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच कर सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से 108 एम्बुलेंस और 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में भर्ती कराया गया। घायलों में 7 की हालत गंभीर होने की वजह से उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे में अधिकांश घायल छत्तीसगढ़ के वाड्रफनगर क्षेत्र के हैं।
जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह ग्यारह बजे पीपराखांड़ के समीप अम्बिकापुर से रेणुकूट की ओर आ रही निजी बस और फरूखाबाद से ओडिशा की ओर जा रही ट्रक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। भिड़ंत में बस में सवार दो दर्जन यात्री घायल हो गये। घायलों में 32 वर्षीय विनय कुमार निवासी कुंडी, 25 वर्षीय अंशु निवासी मिर्जापुर, 55 वर्षीय ओंकार तिवारी निवासी प्रतापपुर, 33 वीरेंद्र कुमार निवासी कुंडी, 25 वर्षीय सुनील कुमार निवासी कुंडी, 22 वर्षीय विजय कुमार, 45 वर्षीय सुरेश कुमार निवासी नधिरा, 30 वर्षीय लक्ष्मी निवासी वाड्रफनगर, 1 वर्षीय अंशी निवासी वाड्रफनगर, 22 वर्षीय गोविंदा निवासी पशुपतिपुर, 23 वर्षीय आकाश पटेल पशुपतिपुर, 45 वर्षीय चंपा देवी बीडर, 40 वर्षीय नागेश्वर निवासी वाड्रफनगर, 20 वर्षीय अंजू यादव निवासी रेनुसागर, 65 वर्षीय रेखा शर्मा निवासी मिर्जापुर, 18 वर्षीय अरमान निवासी गोबरा, 60 वर्षीय कलावती निवासी सलवाही, 34 वर्षीय महेंद्र सलवाही, 25 वर्षीय अभिषेक कुमार निवासी भिंड, 35 वर्षीय शेफाली निवासी आरा, 25 वर्षीय शाहिद निवासी छत्तीसगढ़ रहे।
सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस और 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में भर्ती कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में लाया गया।

# फाँसी लगाकर युवक ने मौत को लगाया गले

-उपेश सिन्हा-
**कुसमी ,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
नगर पंचायत कुसमी के पीएचई कार्यालय के पास एक युवक का शव पेड़ पर फांसी पर झुलता हुआ दिखा लोगो ने शव देखकर कुसमी पुलिस को घटने की जानकारी दी, दरसल जानकारी के मुताबिक शव की पहचान 31 साल रनथु महतो नाम के व्यकि के रूप में हुई है,बताया जा रहा है कि युवक रात को अपनी पत्नी के साथ मोबाईल पर पिक्चर देख रहा था फिर युवक की पहली पत्नी का फोन आया हुआ था उसका मिसकॉल मिला, जिसपर पति पत्नी में थोड़ा सा विवाद हुआ ओर फिर दोनो सो गये इसी दरमियान रात में युवक अपने घर से निकलकर एक पेड़ पर गमछा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली,पुलिस घटना स्थल पहुँचकर शव का पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिये भेज दिया और मामले की विवेचना में जुट गई है ।

# कर्मचारियों ने धरना स्थल पर किया सुंदरकांड का पाठ

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सरगुजा के द्वारा प्रांतीय निकाय के आवाहन पर आज सातवें दिवस 28/08/ 2022 को अनवरत अनिश्चितकालीन धरना हड़ताल जारी रहा धरना स्थल पर आज सुंदरकांड का पाठ तथा प्रसाद वितरण सहित औषधि पौधे 100 की संख्या में वितरण साथियों को किया गया। आज के इस आयोजन में सुंदरकांड का पाठ पंडित रविंद्र मिश्रा दिनेश मिश्रा प्रवीण झा सहित उनकी टीम द्वारा किया गया इस आयोजन में संभागीय अध्यक्ष कौशलेंद्र पांडे जिला संयोजक श्री कमलेश सोन, संभागीय प्रवक्ता एम एल स्वर्णकार, संभागीय प्रभारी ओंकार सिंह,डिप्लोमा अभियंता संघ से आलोक सिंह, राजपत्रित अधिकारी संघ से डा सी के मिश्रा, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ से नवीन केसरी प्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ से अखिलेश सोनी आलोक कुशवाहा, पटवारी संघ से श्रीकांत चौबे अमितेश स्वर्णकार राजस्व निरीक्षक संघ से संजय सिंह एस एल मालवीय, डीडी वन कर्मचारी संघ से अजीत सिंह शिक्षक संघ से विश्वास तिवारी शिक्षक महासंघ से मनोज तिवारी अनिल सिंह प्रमोद शर्मा, प्रमोद सिंह राजेश रावत श्री राम पांडे शिक्षक फेडरेशन नितेश पांडे मनीष मेहता, सुनील तिवारी लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ से श्री दुर्गेश सिन्हा सहायक पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ से श्री अनिल तिवारी एल के सिंह, बसंत जायसवाल, आनंद यादव, वाहन चालक कर्मचारी संघ से श्री सुशील पांडे ज्योतिर ली पर कर्मचारी संघ से श्री विजेंद्र यादव अशोक यादव सहित सैकड़ों साथी अवंतिका गजोरिया,ललीत पाण्डेय,इन्दरजीत देवांगन,अनुराग शुक्ला, शोभनाथ व्यास,भरत पाण्डेय, आदि शिक्षक कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

# पुनः दूसरी बार अस्पताल से बाइक ले उड़े तीन चोर हुए सीसीटीवी में कैद

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
मेडिकल कॉलेज अस्पताल से एक कर्मचारी की बाइक शनिवार को पहली बार हुई पर मिल गई। लेकिन मिलने के कुछ घंटे बाद चोरों ने पुनः उसी बाइक को चोरी कर ली। अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेल खंगलवाया तो तीन युवक रेकी कर बाइक चोरी कर ले जाते कैद हुए हैं। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट मणिपुर चौकी में दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार करजी निवासी पुष्पेन्द्र ड्क्षसह मेडिकल कॉलेज अस्पताल के रेड क्रॉस में काम करता है। वह शनिवार को बाइक क्रमांक सीजी 15 डीएम 8491 से ड्यूटी गया था। वह बाइक को अस्पताल के पार्किंग में खड़ी कर ड्यूटी कर रहा था। शाम करीब 4 बजे वह कहीं जाने के लिए निकला तो उसकी बाइक वहां नहीं थी। वह आस पास खोलने लगा। इसकी बाइक अस्पताल के मुख्य सड़क किनारे एक होटल के पास मिली। वह अपनी बाइक को पुनः अस्पताल के पास लाकर खड़ा कर ड्यूटी करने लगा। शाम को 7.30 बजे जब वह घर जाने निकला तो उसकी बाइक पुनः गायब थी। यह सिलसिला देख बाइक मालिक के होस उड़ गए। वह तत्काल अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालवाया तो पता चला की तीन युवक रेकी कर बाइक चोरी करते कैद हुए हैं। वह इसकी रिपोर्ट मणिपुर चौकी में दर्ज कराया है। वहीं अस्पताल परिसर से शनिवार को तीन बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है।

CMYK

# नवीन जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का मामला,चिरमिरी में मुख्यालय बनवाने चक्काजाम

» व्यापार संघ हल्दीबाड़ी और चिरमिरी जिला मुख्यालय बनाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में यातायात चौक पर हुआ जमकर प्रदर्शन

» चिरमिरी में जिला मुख्यालय बनाने को लेकर हुआ चक्काजाम,भाजपा जोगी कांग्रेस सहित सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी भी हुए शामिल

**सत्ताधारी दल के ब्लॉक अध्यक्ष ने बाकायदा खुलेआम शामिल होकर चिरमिरी के पक्ष में उठाई आवाज**

» चिरमिरी को जिला बनाने आगे और भी होंगे आंदोलन एवम धरना प्रदर्शन कहते नजर आए शामिल लोग।

» विधायक के खास समर्थकों के अलावा अन्य कांग्रेसी दिखे चक्काजाम में शामिल।

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
नवीन एमसीबी जिले की घोषणा के बाद से ही नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में मायूसी देखी जाती रही है और लगातार चिरमिरी में जिला मुख्यालय बनाने की मांग उठती चली आ रही है और उसी तारतम्य में अब जब सितम्बर माह में जिला मुख्यालय का उद्घाटन मनेंद्रगढ़ में होने जा रहा है जिसको लेकर अब चिरमिरी वासियों के आक्रोश का बांध फुट पड़ा है और उन्होंने दिनांक 26 अगस्त को चक्काजाम आंदोलन का आगाज किया जिसे भाजपा जोगी कांग्रेस सहित सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों का भी समर्थन मिला। जिला मुख्यालय की मांग को लेकर चिरमिरी में अयोजित चक्काजाम आंदोलन लगभग सफल भी रहा और सभी चिरमिरी वासियों ने इसमें शामिल होकर अपने हक़ की लड़ाई बताते हुए इसका समर्थन भी किया। सबसे महत्वपूर्ण बात जो इस आंदोलन की रही वह यह कि इसमें अपनी ही सरकार के विरोध में कांग्रेसी भी नजर आए और निर्णय बदलने को लेकर उन्होंने उस आंदोलन में भाग लिया जो कहीं न कहीं सरकार स्वयं मुख्यमंत्री का निर्णय या घोषणा है।

### शहरवासी बोले,जो चिरमिरी हित में बात करेगा, वही चिरमिरी में राज करेगा

चिरमिरी जिला मुख्यालय बनाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को तीन घंटे तक यातायात चौक पर चक्काजाम कर अपनी मांगें रखी गई। इस दौरान चिरमिरी में नवीन जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (एमसीबी) का मुख्यालय आवाज बुलंद की। इधर चिरमिरी में दो अगस्त से क्रमिक भूख हड़ताल जारी रखा गया है। नगर निगम चिरमिरी के यातायात चौक पर सुबह निर्धारित समय पर शहरवासी एकत्रित हुए। फिर महिला, पुरुष, युवा व बुजुर्ग बीच सड़क पर बैठकर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान शहरवासियों ने जमकर नारे लगाए। शहरवासी एक स्वर में बोले, जो चिरमिरी हित में बात करेगा, वही चिरमिरी में राज करेगा...।

### 21 बिन्दुओं पर दावा प्रस्तुत कर चिरमिरी से 8540 दावा सौंपे गए थे, लेकिन दावों की जन सुनवाई नहीं

कुछ कांग्रेस के नेताओं का समर्थन मिला और शहर की महिलाओं ने सड़कों पर बैठकर विरोध जताया। संघर्ष समिति ने कहा कि चिरमिरी में जिला मुख्यालय बनाने लगभग 150 एकड़ से ज्यादा शासकीय व नगर निगम की जमीन उपलब्ध है। हमने नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के लिए प्रकाशित राजपत्र सूचना के अनुसार सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग छत्तीसगढ़ शासन को 21 बिन्दुओं पर दावा प्रस्तुत कर जिला मुख्यालय बनाने और चिरमिरी से 8540 दावा सौंपे गए थे। लेकिन दावों की जन सुनवाई नहीं करना समझ से परे है। चिरमिरी-नागपुर मार्ग पर ट्रांसपोर्ट नगर प्रतीक्षा बस स्टैण्ड के सामने रिक्त पुराने आईटीआई भवन व लाइवलीवुड भवन खाली पड़ा है। सघर्ष समिति चिरमिरी के साथ स्थानीय नागरिकों ने नवीन जिला का मुख्यालय व कार्यालय बनाने के लिए भवनों की सूची मुख्यमंत्री व सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन को सौंप रखी है।

### विधायक समर्थक ने सोशल मिडिया पर लिखा

एक विधायक समर्थित व्यक्ति ने लिखा चिरमिरी में भाजपा, जोगी कांग्रेस व जिला बनाओ संघर्ष समिति व व्यापार संघ चिरमिरी के कुछ सदस्यों ने संयुक्त रूप से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन व चक्का जाम किया, सबको अपने अपने मांगो को लेकर अभिव्यक्ति के साथ शांति से प्रदर्शन करने का अधिकार भी है और किसी भी संगठन के दृष्टि से सही भी लेकिन आज एक चीज देखने मे बड़ा मजा आया की इस आंदोलन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चिरमिरी के बड़े हैवी ब्लॉक अध्यक्ष ने भी बड़े जोर शोर से अपने साथियो के साथ इसमें भाग लिया और उनकी उपस्थिति में ही भूपेश सरकार डरता है पुलिस को आगे करता है।भूपेश बघेल हाय हाय राज्यसरकार होश में आओ,हमारी मांगे पूरी करो जैसे नारे लगाए गए, इस बात पर मेरे मन मे प्रश्न ये आता है कि ये तो स्वयं वर्तमान राज्य सरकार के प्रतिनिधि है क्या वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष की बात की अब पार्टी में कोई वैल्यू नही रह गयी? जिससे इनको आंदोलन में शामिल होना पड़ रहा या पार्टी में गिरते अपनी स्थिति व सम्मान को देखते हुए, आंदोलन में थोड़ी सी भीड़ बढ़ता देख लोगो मे बीच मे दिखावे का नाममात्र के लिए शामिल होना था।

### शहरवासी बोले,चिरमिरी से रायपुर पैदल यात्रा कर सीएम से मिलने पहुंचे थे

चिरमिरी जिला मुख्यालय बनाओ संघर्ष समिति ने बताया कि एक वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री ने मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर को जिला बनाने की घोषणा की। उसके बाद चिरमिरी में जिला मुख्यालय बनाने को लेकर कई महीनों तक धरना प्रदर्शन हुआ। चिरमिरीवासियों ने पैदल चलकर रायपुर में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा था। लेकिन जब जिला मुख्यालय कहीं और बनाने की बात सामने आई तो हल्दीबाड़ी मुख्य चौक पर चक्का जाम किया गया है। वहीं दूसरी ओर धरना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस तैनात रही और कुछ महिलाओं के साथ बदसलूकी करने की बात सामने आई। धरना प्रदर्शन को उग्र होता देख पुलिस ने सख्ती दिखाई और प्रदर्शनकारियों को पुलिस वाहनों में भरकर जबरन थाना ले जाया गया।

### सत्ताधारी दल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष ने इसे अधिकार की लाई बताया

चक्काजाम आंदोलन को सत्ताधारी दल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष ने अधिकार की लड़ाई बताया और उन्होंने कहा कि चिरमिरी को तो जिला तभी बन जाना था जब बैकुंठपुर को जिला मुख्यालय बनाया गया था और अब पुनः चिरमिरी के साथ अन्याय हुआ है और चिरमिरी को जिला बनाने की वह अपनी मांग पर अडिग हैं। इस आंदोलन में शामिल होकर ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस ने साबित कर दिया कि वह चिरमिरी के साथ हैं और वह दल के निर्णय के विरुद्ध जाकर आंदोलन का समर्थन कर रहें हैं।

### व्यापार संघ एवम जिला बनाओ संघर्षों समिति के संयुक्त तत्वाधान में अयोजित था चक्काजाम

चिरमिरी में जिला बनाने की मांग को लेकर अयोजित चक्काजाम को व्यापार संघ एवम जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयुक्त प्रयास से अयोजित किया गया था और जिसे भाजपा, जोगी कांग्रेस सहित कांग्रेस पार्टी का भी साथ मिला।

### जिला मुख्यालय बनाओ संघर्ष समिति ने रायपुर तक किया था पैदल मार्च

चिरमिरी को जिला बनाओ संघर्ष समिति ने जिला मुख्यालय की मांग को लेकर चिरमिरी से रायपुर तक कि पैदल यात्रा भी की थी जिसका भी परिणाम कुछ नहीं मिल पाया था और उन्हें प्रदेश के मुखिया के दरबार से खाली हांथ ही लौटना पड़ा था।

### सरकार के खिलाफ नारों के बीच कांग्रेसियों ने चक्काजाम आंदोलन का दिया साथ

जैसा कि बताया जा रहा है कि आंदोलन में सरकार विरोधी नारे लगाये गए और इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं को आंदोलन में शामिल होते देखा गया यही नही उन्हें मांग के समर्थन में बयान भी देते देखा गया।

### विधायक समर्थक नहीं शामिल हुए आंदोलन में

चिरमिरी को जिला बनाने की मांग को लेकर अयोजित चक्काजाम कार्यक्रम में विधायक समर्थक कांग्रेसियों को शामिल होते नहीं देखा गया,विधायक समर्थक कांग्रेसियों ने पूरे आयोजन से दूरी बनाए रखी और आंदोलन का बहोत ज्यादा विरोध भी नहीं किया जो सुनने को मिला।

### पुलिस भी चक्काजाम प्रदर्शन रोक नहीं पाई

चिरमिरी को जिला बनाने की मांग को लेकर अयोजित चक्काजाम आंदोलन को पुलिस ने काफी प्रयास कर रोकने का प्रयास किया लेकिन जब सत्ताधारी दल कांग्रेस के लोग ही आंदोलन में शामिल दिखे तब पुलिस भी मजबूर दिखी और आंदोलन को होने देने का ही प्रयास अपनी तरफ से किया।

### मनेंद्रगढ़ विधायक की ट्विन सिटी की घोषणा से सहमत नहीं चिरमिरी वासी

जब मुख्यमंत्री ने एमसीबी नवीन जिले की घोषणा की तभी से चिरमिरी वासी जिला मुख्यालय की मांग को लेकर अडिग हैं वहीं चिरमिरी वासियों को विधायक की उस घोषणा पर भी विश्वास करते नहीं देखा जा रहा है जिसमे उन्होंने ट्विन सिटी बनाने की बात कही थी,कुल मिलाकर चिरमिरी वासी जान चुके हैं कि मुख्य कार्यालय मनेंद्रगढ़ में ही स्थापित होंगे छिटफुट कार्यालय ही चिरमिरी के हिस्से में आएंगे जिससे चिरमिरी का कोई भला नहीं होने वाला।

### चिरमिरी अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा लड़ाई

चिरमिरी में जारी जिला बनाओ संघर्ष चिरमिरी के अस्तित्व के लिए है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि जिला बनने के बाद ही चिरमिरी को स्थायित्व मिल सकता है वरना प्रतिदिन जारी पलायन की वजह से चिरमिरी अब अपने अस्तित्व के लिए ही एक प्रश्नचिन्ह बनता जा रहा है।

### मनेंद्रगढ़ विधायक की चुनाव में बढ़ सकती है मुसीबत

चिरमिरी वासी यदि संतुष्ट नहीं होते हैं तो मनेंद्रगढ़ विधायक के लिए यह खतरे की घंटी है क्योंकि नवीन जिले से खड़गवां वासी भी संतुष्ट हैं ऐसा नहीं दिखता, वहीं चिरमिरी पूरी तरह असंतुष्ट है ऐसे में केवल मनेंद्रगढ़ के वोट बैंक के सहारे उनकी नया चुनाव में पार होती दिखाई नहीं दे रही है वहीं मनेंद्रगढ़ में भाजपा का वैसे भी जनाधार कमजोर है और उसे परंपरागत ही वोट मिलते रहें हैं ऐसे में चिरमिरी और खड़गवां क्षेत्र की नाराजगी का सीधा फायदा भाजपा को होगा जो चुनाव में सामने आ सकता है।

# हाथियों से जूझ रहे ग्रामीणों ने आपसी सहयोग कर सड़क पर खड़े हाथियों को खदेड़ा

-संवाददाता-
**कोरबा, 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
वन मंडल कटघोरा अंतर्गत जंगलों में इन दिनों हाथियों की दहशत कायम है। अलग-अलग दल में हाथी घूम रहे हैं। दल के 3-4 हाथी कोरबा-पेण्ड्रा रोड की सड़क पर आ गए जिन्हें अपने से एकत्र संसाधनों की मदद से ग्रामीणों द्वारा खदेड़ दिया गया। पसान वन परिक्षेत्र में 14 से 22 हाथियों के दल ने उत्पात मचा रखा है। हाथी किसानों की फसल, घर और अनाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण विवश होकर रतजगा और हाथियों से निपटने के लिए चंदा कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि, वन विभाग से कोई मदद नहीं मिल रही है, जिसके कारण वह चंदा कर खुद संसाधन जुटाने में लगे हुए हैं। चंदे से वे 20 से 30 हजार रुपए जुटा चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की तरफ से अपेक्षित मदद नहीं मिल रही है। ग्राम खमरिया से होते हुए हाथियों का दल ग्राम सेन्हा के इर्द-गिर्द मंडरा रहा है। अपना घरबार छोड़कर ग्रामीण कहीं और शरण लेने के लिए मजबूर हैं।

# श्रमिक संगठन के सदस्यता सत्यापन में एसईसीएल बैकुंठपुर में एचएमएस ने लहराया परचम

**एचएमएस 1357, बीएमएस 1276, एटक 922, इंटक 807, नोटा/सीटू 523 को मिली सदस्यता**

-संवाददाता-
**बैकुण्ठपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
श्रमिक संगठन के सदस्यता अभियान में एसईसीएल बैकुंठपुर पूरा क्षेत्र मिलाकर सबसे अधिक सदस्यता एचएमएस को मिली है वही दूसरे नंबर पर बीएमएस रहा है, एसईसीएल बैकुंठपुर अंतर्गत कटकोना, झिलिमिली, पांडवपारा, चरचा ईस्ट, चरचा वेस्ट, रीजनल हास्पिटल में कार्यरत कर्मचरियों ने श्रमिक संगठनों के सदस्ता अभियान में अपनी सदस्ता देकर उन्हें अपना मत दिया, बैकुंठपुर के अंतर्गत सभी क्षेत्र में कार्य कर्मचारियों ने एचएमएस, बीएमएस, एटक, इंटक इन चारों श्रमिक संगठनों को मिलाकर 4362 कर्मचारियों ने अपनी सदस्यता दी, वही नोटा/सीटू 523 ऐसे कर्मचारी रहे जिन्होंने अपनी सदस्यता इन्हें दी, पूरे क्षेत्र की बात की जाए तो सबसे ज्यादा सदस्यता को एचएमएस1 357, बीएमएस 1276, एटक 922 और इंटर 807 सदस्य मिली।

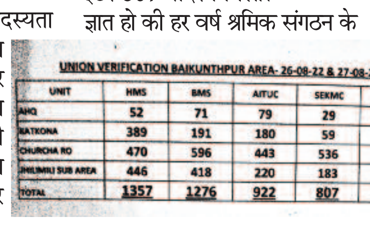

UNION VERIFICATION BAIKUNTHPUR AREA- 26-08-22 & 27-08-22

| UNIT | HMS | BMS | AITUC | SEKMC | NOTA |
|---|---|---|---|---|---|
| AHQ | 52 | 71 | 79 | 29 | 2 |
| KATKONA | 389 | 191 | 180 | 59 | 8 |
| CHURCHA RO | 470 | 596 | 443 | 536 | 220 |
| JHILIMILI SUB AREA | 446 | 418 | 220 | 183 | 293 |
| TOTAL | 1357 | 1276 | 922 | 807 | 523 |

ज्ञात हो की हर वर्ष श्रमिक संगठन के द्वारा श्रमिको की सदस्ता अभियान होता है जिसमे श्रमिक संगठनो में सब से जादा सदस्ता अपने-अपने में करने की होड़ रहती है इस पर भी संगठन श्रमिक सदस्यता फार्म के सत्यापन के लिए जारी तीन दिवसीय प्रक्रिया की गई जिसके अनुसार 4362 सदस्ता श्रमिक संगठनों को मिली,सदस्यता सत्यापन को लेकर काफी गहमागहमी का माहौल रहा और सभी यूनियन के नेता अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए मशक्कत करते दिखे। एसईसीएल झीलिमिली क्षेत्र में श्रमिक संगठनों के सदस्यता सत्यापन के लिए 26 अगस्त 2022 एवं 27 अगस्त 2022 तिथि निर्धारित थी। जो कर्मचारी सिक एवं लिव में थे उन कर्मचारियों के लिए अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2022 को सदस्यता सत्यापन निर्धारित किया गया है। बता दें कि एसईसीएल झिलमिली क्षेत्र में पांच श्रमिक संगठन सक्रिय हैं। जिनमें से श्रमिक संगठन सीटू को छोड़कर बीएमएस, एटक, एचएमएस एवं इंटक श्रमिक संगठनों के सदस्यता राशि की कटौती एसईसीएल प्रबंधन द्वारा चेकअप सिस्टम के तहत की जाती है, जबकि सीटू यूनियन द्वारा अपने कामगार सदस्यों से सदस्यता राशि की नकद वसूली की जाती है। वर्तमान में सर्वाधिक सदस्य संख्या के साथ एचएमएस यूनियन झीलिमिली व कटकोना सहक्षेत्र में प्रथम स्थान पर रही।

# एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र रिस्दी में करीब तीन लाख रुपए की हुई चोरी

-संवाददाता-
**कोरबा, 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
रामपुर पुलिस चौकी अंतर्गत रिस्दी में संचालित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र में पिछली रात चोरी हो गई। ग्राहक सेवा केंद्र का छज्जा तोड़कर भीतर घुसे चोर लॉकर में रखे करीब तीन लाख रुपए चोरी कर फरार हो गए। चोर छज्जा तोड़कर जैसे ही भीतर घुसे वैसे ही शीट टूटने की आवाज केंद्र के सामने मौजूद श्वेता नर्सिंग होम तक पहुंची जहां मौजूद मरीजों के परिजन व ड्युटी में तैनात कर्मचारियों ने चोरों को देखा। जिसकी जानकारी उन्होंने डायल 112 को दी। सूचना मिलते ही रामपुर चौकी पुलिस व 112 के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, लेकिन चोर भागने में सफल हो गए। वही पूरी रात चोरों को तलाशने में पुलिस लगी रही लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। बैंक के कस्टमर सर्विस प्वाइंट ऑफिसर विकास सिंह राणा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वह, रात 2 बजे मौके पर पहुंचे और देखा कि चोर बैंक के ऊपर से छज्जा तोड़कर लॉकर में रखे लगभग 3 लाख ले गए हैं। जब बाहर बैंक के पीछे देखा गया तो लगभग 40000 झाड़ी में गिरा पाया गया। वही पुलिस ने चोर को पकड़ने डॉग स्क्वाड का भी सहारा लिया ढ्ढ डॉग बाघा ग्राहक सेवा केंद्र में मिले चप्पल और कुछ अन्य सामान के आधार पर उन्हें लेकर जंगल की ओर गया। लेकिन उसके सहारे भी पुलिस चोर तक नहीं पहुंच पाई है।

# कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-
**कोरबा, 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
श्रीमद् भागवत कथा का कलश पूजन व भव्य शोभा यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ ढ्ढ मातनहेलिया परिवार के समस्त सदस्य के साथ शामिल श्रीमद् भागवत कथा वाचक आचार्य बांकेबिहारी गोस्वामी द्वारा कोरबा के पुराना बस स्टैण्ड स्थित श्रीराम मंदिर में कलश पूजन संबंधी विविध कार्यक्रम सम्पन्न कराए जाने के बाद कथा स्थल मेहर वाटिका तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई ढ्ढ जहां प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने भागवत की पूजा अर्चना की और पूजन के बाद कलश की स्थापना की गई ढ्ढजिसमें परिवार के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। आचार्य श्री को रथ पर विराजमान कर बैंड बाजे के साथ पवित्र ग्रंथ श्रीमद् भागवत् गीता और गोपाल की मूर्ति व कलश को

मातनहेलिया परिवार की महिलाओं द्वारा श्रद्धापूर्वक शीश पर रखकर कथा स्थल मेहर वाटिका तक पहुंचाया गया। इसी के साथ पितृमोक्षार्थ गया श्राद्धान्तर्गत 07 दिनों तक चलने वाले श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ । कलश पूजन व शोभा यात्रा में मुख्य यजमान महाबीर प्रसाद अग्रवाल, प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल, कोरबा की पूर्व महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल, पुत्र रिशु एवं रोहित अग्रवाल सहित मातनहेलिया परिवार के समस्त परिजनों एव रिश्तेदारों सहित बड़ी संख्या में कोरबा नगर के अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

# मनेन्द्रगढ़ जिला कैसे बनेगा ?

**विधायक ये देखिए साहब नक्शा,ऐसे बनेगा**

» नए जिले मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर की कहानी विधायक गुलाब के जुबानी।

» जिला कार्यालय उदघाटन से पहले विधायक गुलाब कमरो बोले- कका जिंदा है।

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
विधायक गुलाब कमरो साल 2021 अगस्त माह का वह दिन था 15 अगस्त करीब था जब नए जिलों की घोषणा भी होने वाली थी। ऐसे में एक दिन मैंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मनेन्द्रगढ़ को जिला बनाने को लेकर चर्चा की थी। उन्हें बताया कि इस जिले को बनाने की 40 साल पुरानी मांग थी। नगर के लोगों ने काफी आंदोलन किया था। मगर बीजेपी सरकार होने के कारण मांग को नहीं सुना जा रहा था। तब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा कि बताओ गुलाब जिला कैसे बनेगा? मैंने उसके बाद सीएम साहब के चेंबर के सामने लगे नक्शे के माध्यम से समझया था कि ऐसा करके हम मनेंद्रगढ़ जिला बना सकते हैं जिस पर उन्होंने स्वीकृति दी थी। उन्होंने मेरी बातों को गंभीरता से लिया फिर घोषणा हुई और बजट में आई, फिर ओएसडी की घोषणा की गई है। इसके लिए हम क्षेत्रवासियों की तरफ आभार व्यक्त करते हैं। हमेशा उनके ऋणी रहेंगे इसलिए कहते हैं... कका जिंदा है... भूपेश है तो भरोसा है।

### भरतपुर सोनहत विधानसभा में होगा जिला मुख्यालय

नवीन जिला भवन के कार्यो का जायजा लेने के बाद बातचीत के दौरान विधायक गुलाब कमरो ने बताया कि जिले का प्रशासनिक व पुलिस मुख्यालय के अलावा कई अन्य विभाग का कार्यालय भरतपुर सोनहत विधानसभा में होगा।

### पिछले साल हुई थी घोषणा

पिछले साल 15 अगस्त के दिन सीएम भूपेश ने नए जिलों की घोषणा की थी। इसी में मनेंद्रगढ़ का नाम भी शामिल था। कुछ दिन बाद में मनेंद्रगढ़ चिरमिरी और भरतपुर को मिलाकर जिला बनाने की घोषणा की गई थी।

### ध्रुव होंगे कलेक्टर, कोशिमा एसपी

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नए जिले मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के पहले कलेक्टर यहां के ओएसडी पीएस ध्रुव ही होंगे। वही पुलिस अधीक्षक की कमान टीआर कोशिमा संभालेंगे। गौरतलब है कि पीएस ध्रुव की यह पहली कलेक्टरी होगी। इसके पहले पी एस ध्रुव बैकुंठपुर व खड़गवां के एसडीएम रह चुके है।

### 5 लाख आबादी हो जाएगी ट्रांसफर

जिला के घोषणा के दौरान यह बताया गया था कई स्थानों के जिला मुख्यालय काफी दूर हैं। ऐसे में लोगों को आने-जाने में भी काफी दिक्कत होती है। इसी प्रकार मनेंद्रगढ़ में भी यह स्थिति है। मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और भरतपुर को कोरिया जिले से अलग करके जिला बनाया जा रहा है। नए जिला बनने से लगभग 3 लाख आबादी इस जिले में आ जाएगी। अब तक कुल मिलाकर पूरे जिले की आबादी लगभग 7 लाख है। इस प्रकार जिले के 5 ब्लॉक में से 3 ब्लॉक इसी जिले में शामिल हो जाएंगे।

# पुलिस ने 50 क्विंटल चावल किया जब्त

-संवाददाता-
**कोरबा, 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
कोरबा में पीडीएस चावल की अफरा-तफरी करने का मामला सामने आया है पुलिस ने वाहन में लोड 50 क्विंटल चावल जब्त किया ढ्ढ इसके साथ ही जिस दुकान में चावल सप्लाई की जा रही थी, उसे नोटिस भेजा गया है ढ्ढ जानकारी के अनुसार, चावल से लदी गाड़ी रामपुर से पहंदा की तरफ जा रही थी, जिसे पुलिस ने तिलकेजा के पास पकड़कर रामपुर चौकी में खड़ा कर दिया. एएसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि वाहन चालक पूछताछ में चावल के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाया, जिसके बाद धारा 102 के तहत चावल को जब्त किया गया, इसके साथ ही चावल जिस दुकान में जा रहा था, उसे नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है ढ्ढ बता दें कि कोरबा के ग्रामीण इलाकों में पीडीएस चावल की अफरा-तफरी की शिकायत लंबे समय से सामने आ रही थीं, लेकिन अब तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया था ढ्ढअब गाड़ी में चावल को जब्त किए जाने से मजबूत सबूत सामने आया है ढ्ढ गड़बड़ी की अगर विस्तार से जांच की गई तो इस मामले में बड़े खुलासे हो सकते हैं

# कबाड़ चोरों ने सुरक्षाकर्मी से मारपीट कर किया लहूलुहान

-संवाददाता-
**कोरबा, 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।**
कोरबा जिले के बाँकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल की सिंघाली परियोजना खदान में कबाड़ चोरों का आतंक एक बार फिर बढ़ गया है ढ्ढ सिंघाली खदान में देर रात कबाड़ चोरों के द्वारा धावा बोला गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात एसईसीएल सुरक्षा कर्मी मोहर साय के साथ मारपीट की गई। इस मारपीट में मोहर साय के सिर, माथा और हाथ में चोट आई । स्थानीय सूत्र बताते हैं कि यहां के एक कबाड़ी के द्वारा पुलिस को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है और स्थानीय पुलिस भी कबाड़ी पर हाथ डालने में कांप रही है। यही वजह है कि पिछले दिनों इस कबाड़ी पर कार्यवाही नहीं की जा सकी क्योंकि उसने इज्जत का भय पुलिस को दिखाया। पुलिस द्वारा भी उसे छोड़कर दूसरे कबाड़ी की धर पकड़ कर जेल दाखिल कराया गया। कबाड़ चोरों के एक बार फिर बढ़ते आतंक से खदान की सुरक्षा में तैनात कर्मियों में दहशत का आलम है।

CMYK

# एक साल बाद फिर से खुलने जा रहे सिनेमाघर,तालिबान राज में 37 फिल्मों में सिर्फ एक महिला अभिनेत्री

**काबुल, 28 अगस्त 2022।** काबुल पर तालिबान के कब्जे को एक साल का समय 15 अगस्त को पूरा हो चुका है। तालिबान के आते ही अफगानिस्तान में फिल्मों पर पाबंदी लग गई थी। हालांकि अब खबर है कि देशभर के सिनेमाघरों में अफगान फिल्में दिखाई जाएंगी।

कई लोग अफगान सिनेमाघरों के एक साल बाद खुलने की खुशी मना हैं, वहीं कुछ लोग इस प्रक्रिया में महिलाओं के अधिकारों के उल्लंगन के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 37 फिल्में और डॉक्यूमेंट्रीज प्रदर्शित होने के लिए लाइन में हैं लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आतिफा मोहम्मदी एकमात्र महिला अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हाल ही में बनी इन फिल्मों में से एक में भूमिका निभाई है।

फिल्मों के अभिनेता सिनेमाघरों के फिर से खुलने पर खुशी जता रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें फिल्मों के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराना होगा। एक कलाकार अब्दुल साबोर खिनजी ने कहा, ÷एक साल बाद सिनेमा के दरवाजे फिर से खुल गए हैं। हम खुश हैं।÷

उन्होंने कहा, हमने फिल्मों पर अपना जेब खर्चा लगाया है। एक अन्य कलाकार फैयाज इफ्तिखार ने कहा, हम अपना काम करने के लिए खुश हैं।

काबुल निवासी जहरा मुर्तजावी ने कहा, ÷इस क्षेत्र में महिलाओं को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह महिलाओं का अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि महिलाओं की उपस्थिति के बिना एक फिल्म अच्छी लगती है।÷

तालिबान ने पिछले महीने ही घोषणा की थी कि महिलाओं और लड़कियों को अपने घरों से बाहर तब तक नहीं निकलना चाहिए जब तकि आवश्यक न हो। तालिबान ने यह भी कहा था कि महिलाओं और लड़कियों को घरों से बाहर निकलने के लिए चेहरे को ढकना जरूरी है। तालिबान का शासन अफगानिस्तान में पहले 1996 से 2000 तक रहा। इसके बाद 15 अगस्त को अमेरिकी सेना की वापसी के साथ वह काबुल पर काबिज हो गया।

सत्ता में आते ही तालिबान ने महिला मामलों के मंत्रालयों को समाप्त कर दिया। लड़कियों की शिक्षा पर भी प्रतिबंध लगा दिया और महिलाओं को लगभग सभी नौकरियों से प्रतिबंधित कर दिया। इसके साथ ही इस समूह ने महिलाओं और लड़कियों को हिंसा से बचाने की व्यवस्था को भी खत्म कर दिया और उनके लिए स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करना मुश्किल बना दिया।

तालिबान ने हिंसा के जरिए नए नियम लागू किए। जिनमें बताया गया कि उन्हें कैसे कपड़े पहनने चाहिए और कैसा व्यवहार करना चाहिए।

ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) के महिला अधिकार प्रभाग ने कहा कि तालिबान के शासन में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों के उल्लंघनों की सूची लंबी होती जा रही है, बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने हमेशा चेतावनी दी थी कि महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने के तालिबान के वादे झूठे हैं। काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद के दिनों में अफगान अधिकार कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि समूह महिलाओं पर अपनी कार्रवाई तेज करेगा।

## लीबिया में हिंसक झड़पों में 32 लोगों की मौत, 159 के घायल होने की खबर

**लीबिया , 28 अगस्त 2022।** लीबिया की राजधानी त्रिपोली में दो प्रतिद्वंद्वी प्रशासकों के बीच हिंसक झड़पों में शनिवार को 32 लोगों की मौत हो गई। घटना में 159 लोग घायल भी हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 159 से अधिक घायल हो गए हैं। प्रभावित इलाकों से 64 परिवारों को बचाया गया है।

प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद देइबाह की सरकार ने दावा किया कि यह झड़प तब शुरू हुई, जब एक मिलिशिया ने दूसरे मिलिशिया पर गोली चलाई। हालांकि, आशंका जताई जा रही है कि गोलीबारी प्रधानमंत्री देइबाह और उनके प्रतिद्वंद्वी प्रधानमंत्री फैथी बशागा के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष का नतीजा हो सकती है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राजधानी में अस्पतालों तथा चिकित्सा केंद्रों पर भी गोलाबारी की गई। एम्बुलेंस को नागरिकों को लाने से रोका गया।

## संसदीय सीटें 165,सत्ताधारी गठबंधन की पार्टियों की इच्छा सूची में 234 सीटें

**काठमांडू , 28 अगस्त 2022।** नेपाल में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पार्टियों ने चुनाव लड़ने के लिए जितनी सीटें मांगी हैं, उससे गठबंधन के आगे बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले इस गठबंधन में पांच पार्टियां शामिल हैं। जानकारों का कहना है कि पार्टियों ने सौदेबाजी में अपनी स्थिति मजबूत करन के लिए अधिकतम सीटों की मांग रखी है। इसलिए गठबंधन के नेताओं को कड़ी सौदेबाजी से गुजरना होगा।

नेपाल में संघीय संसद और प्रांतीय असेंबलियों के लिए आम चुनाव अगले 20 नवंबर को होगा। उस रोज संघीय संसद की प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली 165 सीटों के लिए मतदान होगा। बाकी 100 सीटों का आवंटन पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत के आधार पर होगा। अभी 165 सीटों के लिए पार्टियों ने अपनी इच्छा सूची सौंपी है। इनमें जो दावे किए गए हैं, उनमें 234 सीटों की मांग हैं।

सत्ताधारी गठबंधन ने इसी गुरुवार को सीटों का बंटवारा तय करने के लिए एक कार्य दल का गठन किया था। शुक्रवार को पार्टियों ने अपनी लिस्ट उसे सौंप दी। गठबंधन के बड़े नेताओं ने टास्क फोर्स से कहा है कि वह सभी चुनाव क्षेत्रों की स्थिति का गंभीरता से अध्ययन करे और उसके बाद अपना सुझाव सर्वोच्च नेतृत्व को सौंपे।

गठबंधन में शामिल दलों में राष्ट्रीय जन मोर्चा भी है। उसके नेता हिमालाल पुरी ने पत्रकारों को बताया कि उनकी पार्टी चुनाव लड़ने के लिए दो सीटों की मांग की है। उन्होंने बताया कि नेपाली कांग्रेस ने 100, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) ने 60, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) ने 40 और जनता समाजवादी पार्टी ने 32 सीटों की मांग की है। पुरी ने कहा कि पार्टियों ने शुरुआत में अपनी वास्तविक उम्मीद से अधिक सीटों की मांग रखी है।

अगले 20 नवंबर को संघीय संसद की 165 सीटों के अलावा सातों प्रांतों की प्रांतीय असेंबलियों की 330 सीटों के लिए भी चुनाव होगा। टास्क फोर्स से इन सभी चुनाव क्षेत्रों के समीकरणों का भी गंभीरता से अध्ययन करने को कहा गया है। टास्क फोर्स कहा गया है कि हर चुनाव क्षेत्र में गठबंधन के पांचों दलों की असली ताकत क्या है, इसका अंदाजा वह लगाए। प्रांतीय असेंबलियों में कुल मिला कर 550 सीटें हैं। उनमें से 220 सीटों का आवंटन पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत के अनुपात में किया जाएगा।

11 सदस्यों वाले टास्क फोर्स में शामिल नेताओं ने ज्ञानेंद्र बहादुर कारकी भी हैं। उन्होंने अखबार काठमांडू पोस्ट से बातचीत में कहा- 'हमसे सभी चुनाव क्षेत्रों में पार्टियों की वर्तमान स्थिति का आकलन कर अपनी रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। रिपोर्ट तैयार कर हम उसे पेश करेंगे।'

खबरों के मुताबिक सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने इस हफ्ते लगभग हर रोज अपनी बैठक की है। उनका मकसद सीटों का बंटवारा जल्द तय करने का है। जनता समाजवादी पार्टी के नेता रकम चामलोंग ने पत्रकारों को बताया- 'पार्टियों ने अभी अपना दावा पेश किया ही है। मेरी राय में इसका आकलन करने में टास्क फोर्स को कुछ वक्त लगेगा। पहले संघीय प्रतिनिधि सभा के सीटों को तय किया जाएगा। उसके बाद प्रांतीय सीटों पर चर्चा शुरू होगी।'

## पाकिस्तान में बाढ़ का तांडव,मरने वालों की संख्या 1000 से पार

**इस्लामाबाद ,28 अगस्त 2022।** पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ का तांडव जारी है और इस आपदा में मरने वालों की संख्या 1000 से अधिक हो गयी है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ओर जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के विभिन्न हिस्सों में मूसलाधार बारिश के कारण आयी बाढ़ से अब तक 1000 से अधिक लोगों की जानें जा चुकी है तथा 1527 लोग घायल हुए हैं। वहीं 719,558 पशुओं की भी मौत हो चुकी है।

पिछले 24 घंटों में ही 119 लोगों की मौत हुई है जबकि 71 लोग घायल हुए हैं। सिंध प्रांत में 76 , खैबर-पख्तूनख्वा में 31 , गिनगिट-बाल्टिस्तान में छह , बलूचिस्तान में चार तथा पीओके में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

एनडीएमए के मुताबिक पूरे पाकिस्तान में 3,451.5 किमी सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी है और 149 पुल ढह गए हैं जबकि 170 दुकानें नष्ट हो गयी है। वहीं करीब 10 लाख से अधिक घर पूर्ण अथवा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

## ऋण पुनर्गठन के अनुरोध पर चीन ने दिया गोलमोल जवाब,कहा-गेंद अब श्रीलंका के पाले में

**कोलंबो , 28 अगस्त 2022।** श्रीलंका द्वारा ऋण के पुनर्गठन के अनुरोध पर चीन से गोल-मोल जवाब देते हुए कहा है कि %गेंद श्रीलंका के पाले में है।% शनिवार को आई मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी गई है। दरअसल, श्रीलंका पर इस साल चीन का 1.5 से 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज बकाया है। साथ ही पिछले कुछ वर्षो में श्रीलंका में कुल मिलाकर चीन का ऋण और निवेश आठ अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

आर्थिक संकटों का सामना कर रहे श्रीलंका ने चीन से ऋण पुनर्गठन का आग्रह किया था, लेकिन चीन ने अभी तक श्रीलंका को ऋण राहत सहायता के लिए कोई सार्वजनिक प्रतिबद्धता नहीं जताई है। शनिवार को आई मीडिया रिपोर्ट में चीनी दूतावास के प्रवक्ता का हवाला देते हुए कहा गया था कि चीन ने तीन महीने पहले श्रीलंका के वित्त मंत्रालय से कहा था कि वह चीनी बैंकों के साथ कर्ज के मुद्दे को हल करने के तरीके पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने अपने बैंकों को इस पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग और श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। उस बातचीत के दौरान उन्हें चीनी स्थिति के बारे में बताया गया था। चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि हमने श्रीलंकाई वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव भेजे हैं, लेकिन, उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। गेंद श्रीलंका के पाले में है।

वहीं, श्रीलंका ने जोर देकर कहा कि वह पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ समझौता पूरा करे।

गौरतलब है कि भारत ने इस वर्ष मुख्य रूप से क्रेडिट लाइनों और स्वैप के माध्यम से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को बचाए रखने में मदद करने के लिए लगभग 4 बिलियन अमरीकी डालर दिए हैं। इसके अलावा श्रीलंका पर 14 बिलियन अमरीकी डॉलर का अंतर्राष्ट्रीय सॉवरेन बांड ऋण भी है।

गौरतलब है कि श्रीलंका के लगभग 22 मिलियन लोग इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इस संकट में लाखों लोगों को भोजन, दवा, ईंधन और अन्य आवश्यक चीजें खरीदने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। आलम यह है कि सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे लोगों ने वहां के पीएम आवास और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था। जिसके कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा था। तब से वह देश के बाहर ही हैं।

## लिज ट्रस पर भारी पड़ सकते हैं खुद उनके ही वादे,क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

**लंदन , 28 अगस्त 2022।** ब्रिटेन में लिज ट्रस के जैसे-जैसे कंजरवेटिव पार्टी का नेता चुने जाने की संभावना मजबूत हो रही है, विश्लेषकों का ध्यान उनके वायदों पर टिकने लगा है। कहा जा रहा है कि पार्टी के नेता पद के लिए हो रहे चुनाव के दौरान ट्रस ने आसमान से तारे तोड़ कर लाने जैसे वायदे लोगों से किए हैं। संभव है कि प्रधानमंत्री बनने पर कुछ महीनों के अंदर ही वे इन वायदों के बोझ से दब जाएं।

लगभग पूरे ब्रिटिश मीडिया का आकलन है कि पांच सितंबर को कंजरवेटिव पार्टी का नेता चुने जाने के बाद लिज ट्रस छह सितंबर को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगी। छह हफ्तों तक चले चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने ऐसे लोक-लुभावन वादे किए हैं, जिन्हें पूरा करना असंभव माना जा रहा है।

ट्रस ने कहा है कि प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद पहले ही पहले ही दिन वे टैक्स में कटौती का फैसला करेंगी। इससे पार्टी के उन तबकों का समर्थन उन्हें हासिल हुआ है, जो निम्न टैक्स दर की नीति को पसंद करते हैं। इसके अलावा उन्होंने मौजूदा महंगाई के बीच आम परिवारों को मदद पहुंचाने की योजना लाने का वादा भी किया है।

वेबसाइट पोलिटिको.ईयू की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब उनके समर्थक और विरोधी दोनों समान रूप से इन वादों के पूरा होने को लेकर शक जता रहे हैं। यह सवाल भी उठाया गया है कि क्या नेता पद के चुनाव में विजयी होने के बाद ट्रस इन वादों से मुकर जाएंगी।

विपक्षी लेबर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने इस वेबसाइट से कहा- 'यह समझना मुश्किल है कि ये वादे वे कैसे पूरा करेंगी। जब उनके सामने सिर्फ एक लाख 80 हजार कंजरवेटिव सदस्य नहीं, बल्कि पूरा देश होगा, तो वे 30 बिलियन पाउंड की टैक्स कटौती को कैसे वाजिब ठहराएंगी? साथ ही उन्होंने आम परिवारों को भी मदद देने का वादा किया है। क्या इसके लिए उनकी सरकार कर्ज लेगी? हम सभी जानते हैं कि इतना पैसा ब्रिटिश सरकार के पास नहीं है।'

विश्लेषकों ने कहा है कि चुनाव जीतने के बाद वादों से मुकर जाने का ब्रिटिश नेताओं का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन ट्रस के कुछ कट्टर समर्थकों को लगता है कि ट्रस वैसी नहीं हैं। उनके समर्थक एक कंजरवेटिव सांसद ने कहा- 'वे हमेशा अपने नजरिए में चरमपंथी रही हैं। इसलिए वे अपना वादा जरूर निभाएंगी।' मगर ट्रस के निकट सहयोगी जैकब रीस-मॉग ने हाल में ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ में एक लेख लिख कर ट्रस से अनुरोध किया कि वे अपने वादों पर पुनर्विचार करें।

विश्लेषकों के मुताबिक ट्रस का इस मामले में असल रुख क्या रहेगा, इसका कुछ संकेत इससे मिलेगा कि वे किसे वित्त मंत्री बनाती हैं। ब्रिटिश मीडिया का अनुमान है कि वे यह पद मौजूदा वाणिज्य मंत्री क्वासी क्वार्तेंग को देंगी। ट्रस ने क्वार्तेंग के साथ मिल कर 2010 में 'ब्रिटेनिया अनचेन्ड' (मुक्त ब्रिटेन) शीर्षक से धुर दक्षिणपंथी आर्थिक कार्यक्रम जारी किया था। तब से दोनों करीबी रहे हैं, लेकिन क्वार्तेंग कंजरवेटिव विचारों के नेता हैं, जो जन कल्याण के कार्यों पर खुले हाथ से धन लुटाने के विरोधी रहे हैं।

## गोल्फ पर रहम, आम खेलों पर सितम,श्रीलंका सरकार के नजरिए से देश में गुस्सा

**कोलंबो , 28 अगस्त 2022।** श्रीलंका में आर्थिक संकट से राहत पाने के लिए हाथ-पांव मार रही रानिल विक्रमसिंघे सरकार ने अब देश में खेल खेलना मुश्किल बना दिया है। इससे खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में गहरी नाराजगी है। आरोप है कि सरकार ने बिना दिमाग लगाए मनमाने ढंग से ये फैसला कर लिया। इसके फैसले के तहत देश में कई प्रकार की गेंदों के आयात पर रोक लगा दी गई है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक गेंदों का आयात रखने का फैसला मंत्रिमंडल ने बीते 23 अगस्त को किया था। बाद में उसका गजट जारी किया गया। इस फैसले के मुताबिक गोल्फ और टेबल टेनिस जैसे खेलों में इस्तेमाल होने वाली गेंदों का आयात तो किया जा सकेगा, लेकिन क्रिकेट, लॉन टेनिस, फुटबॉल और रग्बी की गेंदों का अब आयात प्रतिबंधित होगा। जिन गेंदों को हवा भर कर फुलाया जाता है, उनका आयात भी रोक दिया गया है।

खेल टीकाकारों ने इस फैसले की आलोचना करते हुए पूछा है कि गोल्फ की गेंद को इस फैसले से क्यों बाहर रखा गया? क्या इसका कारण यह है कि गोल्फ धनी लोग खेलते हैं? श्रीलंका के सेंट्रल बैंक ने कुछ समय पहले विदेशी मुद्रा बचाने के लिए सरकार के पास आयात प्रतिबंध सख्त करने की सिफारिश भेजी थी। उसी के मुताबिक ये फैसला किया गया।

# इमरान बोले-30 साल से देश लूट रहे लोगों के खिलाफ लड़ रहा युद्ध; अवमानना मामले में सुनवाई जल्द

**इस्लामाबाद, 28 अगस्त 2022।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनके प्रतिद्वंदियों के खिलाफ उनकी राजनीतिक रैलियां जारी रहेंगी क्योंकि उनकी लड़ाई %हकीकी आजादी% के लिए है। बता दें कि संकटग्रस्त देश विनाशकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। इसके बावजूद खान सार्वजनिक रैलियां कर रहे हैं।

देश के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत के झेलम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए 69 वर्षीय खान ने शनिवार को कहा कि वह तीस साल से पाकिस्तान को लूटने वाले चोरों के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं और कानून की सर्वोच्चता के लिए लड़ रहे हैं।

### चोरों के खिलाफ लड़ रहा युद्ध

उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ÷मैं इन चोरों के खिलाफ युद्ध लड़ रहा हूं, जिन्होंने तीस साल तक देश को लूटा। मैं कानून की सर्वोच्चता के लिए लड़ रहा हूं। मैं एक ऐसे देश के लिए लड़ रहा हूं, जिसे इस्लामिक कल्याणकारी राज्य माना जाता था।÷

### बाढ़ की चपेट में पाकिस्तान- 1000 से ज्यादा लोगों की गई जान

इमरान खान की हालिया सार्वजनिक रैलियों की इसलिए आलोचना हो रही है क्योंकि पाकिस्तान एक भीषण बाढ़ की चपेट में है, जिसने अब तक एक हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। 14 जून से शुरू हुई मूसलाधारा बारिश के कारण रविवार तक देश के दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम हिस्से में पानी भर जाने से 119 अन्य लोगों की जान जा चुकी है।

पत्रकार और मीडिया हाउस चला रहे मेरे खिलाफ अभियान ÷ खान

रैली के दौरान इमरान खान ने कहा कि उनकी रैलियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। खान ने कहा, ÷अखबारों, मीडिया, पत्रकारों और एक विशेष मीडिया हाउस के जरिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, ये हमेशा चोरों की रक्षा करते हैं। वे कह रहे हैं कि यह रैलियां करने का समय नहीं है।÷

खान ने इस बात से इनकार किया कि वह त्रासदी के समय राजनीति करने में शामिल हैं। उन्होंने इसे हकीकी आजादी की लड़ाई की बात कही। खान ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर कटाक्ष करते हु एकहा कि उन्हें बाढ़ के दौरान रैलियां नहीं करने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन सरकार देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल को दीवार की ओर धकेल रही है।

### मेरे खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज कर दुनियाभर में मजाक उड़ाया

उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया गया है। वे मुझे गिरफ्तार करने भी आए थे। यह खबर पूरी दुनिया में बताई गई थी। उन्होंने हमारा मजाक उड़ाया। इस्लामाबाद में एक सार्वजनिक रैली में एक महिला जज और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को धमकाने के लिए हाल ही में खान के खिलाफ आंतकवाद रोधी अधिनियम (आतंकवाद के कृत्यों के लिए सजा) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया।

क्रिकेटर से नेता बने खान की अप्रैल के माह में सरकार गिर गई थी। उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया था। तब से वह पाकिस्तानी सेना सहित सभी ताकतवर संस्थानों को निशाना बना रहे हैं।

पांच सदस्यीय पीठ करेगी इमरान खान के खिलाफ मामले की सुनवाई

इस्लामाबाद हाईकोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच जज को धमकी देने वाली विवादित टिप्पणी के लिए इमरान खान के खिलाफ अवमानना के मामले की सुनवाई करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्लाह की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी, न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी और न्यायमूर्ति बाबर सत्तार शामिल हैं। शुरुआत में मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय पीठ ने की थी।

कोर्ट ने 31 अगस्त को तलब किया

रिपोर्ट में कहा गया है कि अदालत ने हालांकि मामले को इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ट्रांसफर कर दिया है और बेंच में और जजों को शामिल करने को कहा है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को पीटीआई प्रमुख खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। जिला व सत्र अदालत की जज जेबा चौधरी को धमकी देने के लिए अवमानना कार्यवाही में 31 अगस्त को उन्हें व्यक्तिगत रूप से तलब किया है।

20 अगस्त को एफ-9 पार्क में रैली के दौरान खान ने इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस उप महानिरीक्षक को चेतावनी देते हुए कहा था कि हम आपको बख्शेंगे नहीं।इसके बाद उन्होंने न्यायपालिको को भी अपनी पार्टी के प्रति पक्षतापूर्ण रवैये के लिए चेतावनी देते हुए कहा कि उसे परिणामों के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

# क्या कार्यवाही को लेकर पटना थानेदार पर भरोसा नहीं

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

» बैकुण्ठपुर टीम को आना पड़ा कार्यवाही के लिये?
» मंदिर प्रांगण से जब्त हुआ लगभग छः फिट गांजे का पौधा,किसके सुरक्षा में पौधा इतना बड़ा?
» नहीं थी जानकारी तो पुलिस को देख गांजा के पेड़ को ऊखाड़ने की क्या थी जरूरत?
» गांजा के पौधे के कार्यवाही मामले में लाईव चलाया गया विडियो और दिखाया गया कार्यवाही।
» कार्यवाही के बाद मामला पकड़ा राजनीतिक तूल और धर्म से जोड़कर मामले को दिया जा रहा अलग रंग।

कोरिया जिला के पटना थाना के चर्चित थानेदार के गांजा मामले में कार्यवाही को लेकर सोशल मिडिया में जमकर इनकी ख्याति वाला विडियो वायरल हो रहा है प्रकरण को लेकर लोगों में कई तरह की बातें कही जा रही है। गत दिवस पटना के हनुमान मंदिर परिसर के अंदर बने सामुदायिक भवन के दीवाल से लगा हुआ एक गांजा का बड़ा पौधा पुलिस ने बरामद किया जो पौधे की उम्र तकरीबन एक साल से ऊपर की बताई जा रही है। मामला सार्वजनिक जगह पर गांजा का पौधा मिलने से जुड़ा हुआ है पर सवाल कई जुड़े हुये है। वायरल विडियो की माने तो इस सामुदायिक भवन के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है जो यहां पर नशे का सेवन करने आते है। यह गांजा का पौधा जो इंच से लेकर फिट तक बड़ा हो गया आखिर किसके संरक्षण में सुरक्षित था? इस बात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं है पर जिम्मेदारों का कहना है कि इसकी जानकारी हमें नहीं थी पर यदि जानकारी नहीं थी तो फिर यह पौधा किसके सुरक्षा में बढ़ रहा था? जबकि मंदिर प्रांगण की साफ सफाई हर साल होती है। उसके बावजूद उस पौधे का बढ़ना कहीं ना कहीं उसे संरक्षण प्राप्त होने की तरफ इशारा करता है? मामला जो भी हो पर मंदिर परिसर से लगे सामुदायिक भवन के दीवाल से गांजे का पौधा बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार बैकुंठपुर पुलिस टीम को जानकारी मिली थी कि पटना के हनुमान मंदिर प्रांगण में गांजे का पौधा लगा हुआ है जिसकी सूचना पर जब पुलिस टीम पहुंची और छानबीन कर ही रही थी कि वहां पर मौजूद किसी व्यक्ति ने उस पौधे को उखाड़ कर तुरंत फेंका दिया था पर उखड़े हुए पौधे को भी पुलिस ने बरामद कर लिया, जिसने उस पौधे को उखाड़ा था उसने किसी अन्य व्यक्ति का नाम बताया कि उसके कहने पर पौधा उखाड़ गया था, वहीं इस मामले में जिम्मेदारों का कहना है कि गांजे का पौधा इस परिसर में लगा है इस बात की जानकारी नहीं है पर सवाल यह भी है कि जब जानकारी नहीं थी तो फिर पौधा उखाड़ने को क्यों कहा गया? अपने ही बातों के जाल में फंसे हुए है पर सच्चाई क्या है इसका पता नहीं? इस मामले को लेकर राजनीतिक तूल पकड़ लिया है व धर्म से जोड़कर इसे मामले में शामिल लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर में असामाजिक तत्व आकर नशे का सेवन करते हैं जिस वजह से मंदिर का नाम खराब हो रहा है। हांलाकि मंदिर के देखरेख करने की भी समिति गठित है पर इस पूरे मामले में समिति का एक भी जिम्मेदार व्यक्ति नहीं आया। विडियो वायरल करने वाले ने इस पूरे मामले में पूजा कराने वाले पूजारी पर आरोप लगाया है।

### वीडियो वायरल करने वाले पर कार्यवाही को लेकर शुरू हुई राजनीति

पूरे प्रकरण में पुलिस की टीम ने छापा मारा और गांजा एक बड़ा पौधा जब्त भी किया इस पूरे मामले का लाईव विडियो प्रसारित कर पूरी कार्यवाही को दिखाया गया। पर पुलिस असमंजस में फंसती नजर आयी क्योंकि वह पौधा एक सार्वजनिक स्थल पर पाया गया। पूरे कार्यवाही के दौरान जिम्मेदार व्यक्ति नहीं पहुंचे और पुलिस के मंदिर प्रांगण से वापस होने के बाद उसमें राजनीति शुरू कर दी। पुलिस भी इस राजनीति में परेशान नजर आयी।

### एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर हुआ शुरू

इस मामले के बाद तरह-तरह की बाते होने लगी जहां एक पक्ष विडियो जारी करने वाले व्यक्ति पर आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग करने का आरोप लगाते हुये मामला पंजीबद्ध कराने लामबंद रहे। वहीं दूसरा पक्ष का कहना था कि मामला मादक पदार्थ से जुड़ा हुआ था और किसी भी जिम्मेदार का यह फर्ज है कि इसकी जानकारी पुलिस को दें। यदि पुलिस को लगता है कि मामला नहीं बनता है तो कार्यवाही न करें पर इस में राजनीति करना गलत।

### शिकायतकर्ता ने सूचना देने वाले को बताया विवादित,एसपी से की शिकायत

मंदिर समिति व अन्य बुद्धिजीवी का एक समूह पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत लेकर पहुंचे और सूचना देने वाले को विवादित बताते हुए उसकी शिकायत की और कहा कि आपसी रंजिश की वजह से मंदिर के पुजारी को फंसाने का प्रयास है यह पौधा उसी के द्वारा लगाया गया।

### मामले से जुड़े कुछ सवाल

*यदि गांजे के पौधे होने की जानकारी किसी को नहीं थी तो पुलिस को देख किसके कहने पर ऊखाड़ा गया पौधा?
*यदि पौधा किसी ने नहीं देखा था तो साफ-सफाई के दौरान पौधा क्यों नहीं किया गया नष्ट?
*गांजे के पौधे को देखकर यह लगता है कि यह पौधा काफी पुराना है आखिर सवाल यह है कि किसके संरक्षण में यह पौधा छः फिट का हो गया?
*क्या पटना थाना के थानेदार के कार्यप्रणाली पर किसी को नहीं है भरोसा आखिर पटना पुलिस को छोड़ बैकुण्ठपुर की टीम क्यों हुयी गठित?
*चर्चित थानेदार के कार्यप्रणाली पर कई सवाल किसके संरक्षण में थानेदार करते है मनमानी?

# महिलाओं पर बढ़ते अपराध के विरुद्ध भाजपा महिला मोर्चा ने जमकर हल्ला बोला

-संवाददाता-
सूरजपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

भाजपा महिला मोर्चा सूरजपुर के द्वारा शनिवार को प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में जिला मुख्यालय भाजपा कार्यालय से शहर के अग्रेसन चौक तक आक्रोश रैली निकालकर राज्य सरकार के विरोध में महिलाओं के साथ बढ़ते अत्याचार को रोकने हेतु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन करने की कोशिश की गई लेकिन पुलिस ने पुतला छीन लिया । गौरतलब है की प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा पर विफल हो रही प्रदेश सरकार के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी है तब से आए दिन महिलाओं एवं बच्चियों से दुष्कर्म, बलात्कार, हत्या जैसी घिनौनी कृत्यों और महिला सम्बंधित अपराधों में वृद्धि हुई है और अभी हाल ही में जांजगीर चांपा के एनएसयूआई जिला अध्यक्ष के द्वारा एक लड़की से दुष्कर्म किया गया और जशपुर में भी इस तरह की निंदनीय घटना घटी इससे यह प्रतीत होता है कि कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है और वर्तमान बघेल सरकार निरंतर महिलाओ की सुरक्षा में विफल हो रही है जिसकी हम कड़ी निंदा करते है, जिससे भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला सूरजपुर की महिला बहनों में काफी आक्रोश व्याप्त है। इस दौरान कार्यक्रम में नूतन विश्वास, शांति सिंह, सुमन सिंह, मोहनी झा, देवमनिया साहू, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल(अज्जू), सरोज साहू, किशन देवांगन, संस्कार अग्रवाल, सीता जायसवाल, फुलबसिया राजवाड़े, कलावती जायसवाल, शकुंतला देवांगन, अनीता मिश्रा, नंद कुमारी राजवाड़े, सुमित्रा राजवाडे, आमवती नेताम, अनीता तिवारी, निर्मला यादव, सुनीता, जीरा जायसवाल, पप्पू साहू, प्यारे साहू, राकेश महाराज, पीतांबर सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

# नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतापपुर श्री कंचन सोनी बने सोनार उत्थान समाज के जिलाध्यक्ष

-संवाददाता-
प्रतापपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर के शिवपुर मंदिर प्रांगण में सोनार उत्थान समाज के बैठक में सर्वसम्मति से नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन सोनी को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कंचन सोनी ने कहा मुझे जो दायित्व सौंपा गया है।मैं उसे पूरे ईमानदारी से पूरा करेंगे एवं लोगों को आगे बढ़ाने उनके उत्थान के लिए आगे आकर के हरसंभव मदद करेगी एवं समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगी सोनी प्रदेश प्रमुख सलाहकार सुरेश सोनी,सरगुजा स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष रघुनाथ सोनी दीपक सोनी ,के साथ बड़ी संख्या मेंस्वर्णकार समाज के लोग उपस्थित रहे।बैठक में स्वर्णकार समाज के लोग ने एकजुटता दिखाई और समाज के बचों को सँस्कार उच्च शिक्षा देने की बात कही जिलाध्यक्ष ने जल्द कार्यकर्णी के विस्तार के बारे मे कही इस दौरान अमित सोनी,अजित सोनी,भरत सोनी,धर्मेंद्र सोनी,गिरजा संकर सोनी,निखिल सोनी,प्रदीप सोनी,राधे स्याम सोनी ,दीपक सोनी, राधा कृष्ण सोनी,गोपाल सोनी,सुमित सोनी,संजय सोनी,सुदर्शन सोनी, उपस्थित रहे।

# कर्मचारी अधिकारी अवकाश के दिन भी डटे रहे आंदोलन में

## मंहगाई भत्ता एवं गृह भत्ता आंदोलन के सातवां दिन

-संवाददाता-
सूरजपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

प्रदेश में सरकारी कर्मचारयों के आंदोलन का आज सातवां दिन है। शासन के रुख से हड़ताली कर्मचारियों में निराशा है। पिछ्ले एक सप्ताह से धरना पंडाल में कर्मचारी नेता जमकर भड़ास निकाल रहे है। 34 फीसदी महंगाई भत्ता और सातवें वेतनमान पर गृहभाड़ा की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन बैनर तले प्रदेश के लगभग 4 लाख कर्मचारी अधिकारी 22 अगस्त से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर है। पिछ्ले दो चरणों को मिलाकर 11-12 दिन आंदोलन को हो गई है लेकिन अभी तक सरकार कर्मचारियों के मांगों और आंदोलन को समाप्त करवाने के सम्बन्ध में कोई पहल नहीं कर रही जो निराशाजनक है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक अनिल मिश्रा ने कहा कि अभी तक प्रदेश के समस्त कर्मचारी और अधिकारीयों के द्वारा दो चरणों में 12 दिन आंदोलन करते हो गया है , जिससे सरकार को भी आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ रहा है। इतने दिन के आंदोलन में राज्य सरकार को जो आर्थिक हानि हुई है उनसे तो कर्मचारियों की मांग भी पूरी हो जाती। राजधानी रायपुर - साथ पुरे प्रदेश के तहसील , ब्लाक एवं जिला मुख्यालय में आंदोलन जारी है। अवकाश के दिनों में भी कर्मचारियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

# शक्कर कारखाना से लोहे का स्क्रैप चोरी मामले में 2 गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

दिनांक 27/08/22 को शक्कर कारखाना केरता का मुनीर अंसारी ने चौकी खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 27 अगस्त की सुबह करीब 4 बजे तेजू टोप्पो एवं उसके एक साथी के द्वारा शक्कर कारखाना के बाउंड्री के अंदर रखा हुआ लोहे का स्क्रैप करीब 3 क्विंटल को चोरी कर ले गए हैं, रिपोर्ट पर धारा 380, 34 भा.द.सं. का मामला पंजीबद्ध किया गया। एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में चौकी खड़गवां की पुलिस के द्वारा मामले के आरोपी तेजू टोप्पो पिता दामोदर टोप्पो उम्र 21 वर्ष निवासी जगरनाथपुर एवं 1 विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा गया। पूछताछ पर दोनों ने चोरी करना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर 3 क्विंटल लोहे का सामान कीमत 7500/- रूपये का जप्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी खड़गवां संजय सिंह, प्रधान आरक्षक संजय यादव, आरक्षक श्याम सिंह व अमरेन्द्र दुबे सक्रिय रहे।

# क्या चिरमिरी नगर निगम में कोरियाई शासक किम जॉन का राज्य चल रहा है?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

» एसएलआरएम सेंटर में कार्यरत स्वच्छता दीदियों व ठेका कर्मचारियों पर निगम कमिश्नर क्यों चला रहे हिटलर शाही?
» क्या महापौर के निर्देश पर बार-बार बंद की जा रही है ठेका श्रमिकों की निष्ठा?
» आखिर इन श्रमिकों को दबाकर क्या सिद्ध करना चाहते है महापौर और निगम कमिश्नर?

कोरिया जिले के एकमात्र नगर निगम में एसएलआरएम सेंटरों में कार्यरत ठेका श्रमिकों के शोषण के आए दिन नए नए मामले देखने को मिल रहे है, मिली जानकारी के अनुसार पिछले 3 माह पूर्व राज्य सरकार की ओर से प्रदत श्रमिकों के प्रोत्साहन के लिए लगभग बारह लाख रुपए एवं बोनस के लगभग तीन लाख रुपए चिरमिरी निगम को प्रदान किए गए थे जिसकी समस्त राशि इन श्रमिकों के खातों में बराबर बांट कर डाली जानी थी किंतु जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के भ्रष्ट और कमीशन खोरी की आदत ने उस राशि से कुछ पैसे का बोरा खरीदे किया गया था, जिसका स्वच्छता दीदियों और श्रमिकों ने इस बात का पुरजोर विरोध किया और अपनी बात मीडिया में रखी, तो किमजॉन की तरह शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों को यह बात नगांवारा गुजरी और उन्होंने तत्काल अपने अधीनस्थ अधिकारियों को बोलकर उन दीदियों के निष्ठा बंद करा दी, कहते हैं एकता में ताकत होती है, सभी इस आवेदन सेंटर में कार्यरत वीडियो ने इसका पुरजोर विरोध किया और अपने नेताओं से यह बात बताई आनन फानन पक्ष विपक्ष के सभी नेता सक्रिय हुए, सबने इन कर्मचारियों के साथ धरना प्रदर्शन करने की घोषणा कर डाली, अंत- पक्ष और विपक्ष के जिम्मेदार नेताओं का दबाव बना तो किम जॉन और उनकी कठपुतली की तरह काम कर रहे निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को घुटने टेकने पड़े और पुनः उन दीदियों की निष्ठा चालू करनी पड़ी, इस पूरे घटनाक्रम के बाद सवाल यह उठता है कि आखिर क्यों निगम के जनप्रतिनिधि और अधिकारी इन मेहनत कस भोले भाले श्रमिकों के पीछे पड़े हैं ज्योति, बोरीसाल, शीतल, फूलबाई सहित अन्य कई दर्जन भर दीदियों एवम कर्मचारी इनके अवैध कृतियों का विरोध करने पर इनकी निष्ठा बंद कर दी गई थी क्या निगम के जनप्रतिनिधि और अधिकारियों कि अपने से कमजोर कर्मचारियों को को दबाने और शोषण करने आदत सी हो गई है या फिर जनता के द्वारा दी गई ताकत और पद को ये पचा नहीं पा रहे हैं शायद ये सभी यह भूल गए कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है यहां सभी को अपने तौर तरीके से अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है।

### एक पार्षद पति और उमेश तिवारी के सांठगांठ की चर्चा जोरो पर

सूत्रों की मामने तो चिरमिरी नगर निगम इन दिनों एक पार्षद पति और उमेश तिवारी के सांठगांठ की चर्चा काफी जोरो से देखी जा रही है, यह पार्षद पति सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक निगम के विभिन्न विभागों में सक्रिय रहता है और हर मामले में अपनी दखलअंदाजी करता है, पूर्व महापौर डमरु रेड्डी के कार्यकाल में भी यह पार्षद था और उनका काफी करीबी माना जाता था उसी समय से या निगम के हर एक मामलों में दखल रखता है इस बार पुनः इसकी पत्नी पार्षद बनी और यह व्यक्ति फुल टाइम निगम के विभिन्न टेबलो में सक्रिय देखा जा सकता है, बताया जाता है कि उमेश तिवारी जो इन दिनों स्वच्छता प्रभारी का दायित्व संभाल रहे हैं इन दोनों ने मिलकर इन श्रमिकों को शासन से मिलने वाली राशि से स्वच्छता से संबंधित कुछ सामग्रियां खरीदने की जुगत में थे नियम विरुद्ध तरीके से इन्होंने उस राशि से बोरा भी खरीदा है, यह बात जब इन स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को पता लगे तो उन्होंने इसका पुरजोर विरोध किया अपने विरोध में स्वच्छता कर्मियों ने कहा कि चिरमिरी सहित जिले के अन्य नगरपालिका में भी यह राशि पिछले 3 महीने पहले आई थी और वह उसी समय आवंटित हो गई है आखिर हमें हमारा अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन पार्षद पति और उमेश तिवारी की मनसा कुछ और ही थी जिसकी शुरुआत उन्होंने बोरा खरीदी सी कर दी थी, लेकिन जब नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह और ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष कश्यप का दबाव बड़ा और इसकी शिकायत जब प्रदेश स्तरीय नेताओं से की तो वहां से इन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को फटकार लगी तत्काल आनन-फानन इन लोगों ने उस राशि को मजदूरों के खातों में आवंटित कर दिया हैं और इस तरह से पार्षद पति और उमेश तिवारी के गलत मंसूबे कामयाब नहीं हो पाए।

### मुख्यमंत्री कर्मचारियों के कार्य प्रभावित हो प्रोत्साहन व बोनस राशि आवंटित की, फिर उस राशि से बुरा कैसे खरीदा गया?-

सवाल यह उठता है कि जब प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने कर्मचारियों के कार्य से प्रभावित होकर प्रोत्साहन राशि और बोनस राशि आवंटित की तो उस राशि से बुरा कैसे खरीदा गया जो जांच का विषय है, राज्य सरकार को इनके विरुद्ध कार्यवाही की जाने की आवश्यकता है सनद रहे कि उमेश तिवारी पिछले 23 साल से नगर निगम में पदस्थ है सत्ता और विपक्ष से सामंजस्य बनाने में महारत प्राप्त उमेश तिवारी के द्वारा काफी भ्रष्टाचार किया जा रहा है, लंबे समय से एक ही स्थान में पदस्थ होने से यह श्रीमान पूरी तरह से निरंकुश हो चले हैं और अपनी मनमानी और लूट का सूट वाली पद्धति का पूरा उपयोग कर रहे हैं, इनके द्वारा रीवा में करोड़ों रुपए के अकूत संपत्ति जमा की गई है, जो जांच का विषय है, सुलभ शौचालय के नाम पर प्रतिमाह तीन लाख रुपए इन्हीं की सांठगांठ से निकाले जा रहे हैं, मच्छर मारने एवं अन्य कीटनाशक पाउडर के फर्जी खरीदी इनके द्वारा प्रतिवर्ष की जा रही है, इस वर्ष भी गुणवत्ता विहीन मटेरियल खरीदे जाने हेतु सेटिंग की गई है, पूरे चिरमिरी के एरिया में लाखों रुपए के डस्टबिन लगाए जाने बताए जा रहे हैं जबकि गिने-चुने स्थानों पर ही डस्टबिन लगाया गया है,वही पिछले वर्ष पूरे चिरमिरी एरिया में स्वच्छता के लिए जागरूक करने के लिए वॉल पेंटिंग कराया गया था इस वर्ष भी उन्हीं वॉल पेंटिंग में सिर्फ वर्ष चेंज करा कर लगभग दस लाख फर्जी तरीके से निकाले गए हैं जो जांच का विषय है आखिर जनता का टैक्स का पैसा कब तक इन शातिर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साठ गांठ से लूटा जाएगा।

# वन विभाग ने एनीकट का ऐसा किया निर्माण अब लटक रही है हवा में

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 28 अगस्त 2022 (घटती-घटना)।

» मनेंद्रगढ़ वनमंडल में बना लाखों का एनिकट सूखाग्रस्त बारिश के मौसम में हुआ धरासाई।
» वन विभाग के निर्माण की गुणवत्ता की पोल खुली अल्प बारिश के बीच, ऐसे गुणवत्ता की एनिकट कम बारिश में बहा।
» वन विभाग का निर्माण हमेशा ही गुणवत्ताविहीन क्यों होता है, क्यों लाखो खर्च के बावजूद उपयोग विहीन हो जाता है किया हुआ निर्माण?

छत्तीसगढ़ कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ वन मंडल स्तिथ बिहारपुर वन परिक्षेत्र के गरुडोल सर्किल अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य तो कराए जा रहे हैं। परंतु आए दिन इन कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सुर्खियों में भी बने रहते हैं, यहां के करतूत बाज़ प्रभारी रेंजर, इलाके के लोगों की मानें तो निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती जा रही है। यहां चर्चा आम हो गया है कि बिना तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह के अधिकारी ही अपनी मर्जी से विभिन्न कार्यों का डिजायन बनाकर काम करा लेते हैं, जिससे इनमें जल्दी ही खराबी आ जाती है। हाल की घटना है की मनेन्द्रगढ़ वन मंडल अंतर्गत बिहारपुर परिक्षेत्र में लगभग 18 लाख की लागत से बने एनीकट निर्माण कार्य का है। आम जनता के साथ जंगली जानवरों को पानी उपलब्ध कराने और भूपेश सरकार की नरवा योजना को सफल बनाने के उद्देश्य से यहां एनीकट का निर्माण कार्य कराया तो गया, लेकिन कुछ दिन पहले हुई बेमौसम हल्की बारिश से इस एनीकट की दिवार फूट गई। जो अब हवा में लटक रही है। एनिकट का पानी बेस और अबार्ट मेंट के नीचे से काफी तेज गति से बह रहा है। जानकारी से अवगत करा दें की उक्त एनिकट पहुंच विहीन बीहड़ में है जहां तक आम आदमी आसानी से नहीं पहुंच सकता। शायद इसलिए डीएफओ और रेंजर को सारी बात पता होने के बाद भी इस एनिकट को उसी हाल में छोड़ दिया गया है। जिसके बाद यह एनीकट भविष्य में शो पीस बनकर न रह जाये यह ग्रामीणों में जन चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि अब अधिकारी इसे मरम्मत कर जल्द ही ठीक करने की बात कर रहे हैं।

### क्या एनिकट के डिटेल्स को सम्मिट इस लिए नही किया गया ताकि भ्रष्टाचार कर सके?

मनेंद्रगढ़ सब डिवीजन में प्रभारी रेंजर द्वारा वन विभाग के निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता की बात जिस तरह से सामने आते रहती है। बावजूद गंभीर कारनामों के बाद भी शासन प्रशासन द्वारा कार्यवाही से बख्श दिए जाते रहते है। जिसका परिणाम यह देखने को मिल रहा है की मनेंद्रगढ़ के बीहड़ वन क्षेत्रों में आज भी बड़े बड़े अनियमितता लगातार प्रकाश में आ रहे हैं। जहां पर लाखो रुपए खर्च कर सीमेंट कांक्रीट से निर्मित एनिकट 5 माह में ही ढेर हो जा रहे हैं और जिसकी चमत्कारी गुणवत्ता से शासन प्रशासन की कार्यप्रणाली का जोरदार माखौल भी उड़ता रहता है। अवगत करा दे की प्रत्येक वर्ष नरवा योजना अंतर्गत वन विभाग द्वारा एनिकट व नरवा के भराव की स्थिती का विवरण बतौर कक्ष क्रमांक सहित शासन को भेजी जाती है ताकि शासन को ये पता चल सके की नरवा योजना कहां तक सफल है जिसके मद्देनजर कई नरवों का वीडियो या विवरण मनेंद्रगढ़ वन मंडल द्वारा भेजे जाने की तैयारी की गई है। परंतु इस एनिकट के डिटेल्स को सम्मिट इस लिए नही किया गया, ताकि इनके भ्रष्टाचार की पोल न खुल जाए।

### हर पहलू पर जानकारी देने से मुकरते रहे रेंजर

मौका मुआयना पश्चात एनिकट में हुए भ्रष्टाचार की बात पर बिहारपुर के प्रभारी रेंजर शंखमुनी पांडेय से उनकी प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कहा मैं देखवाता हूं और जब उस कार्य की लागत राशि की बात पूछी गई तो उनके द्वारा लागत राशि नही बताई गई, उसके साथ कक्ष क्रमांक की भी जानकारी पूछी गई तो उसे भी इस लिए नही बताया गया की भ्रष्टाचार किए गए स्थल पर मीडिया ना पहुंच जाए और भ्रष्टाचार सार्वजनिक न हो जाए, इसलिए बार बार हर पहलू पर जानकारी देने से मुकरते रहे। जबकि रेंजर के पास उसके रेंज अंतर्गत कराए गए कार्यों की सूची, लागत राशि, कार्य की स्थिती,सहित समस्त की जानकारी और दस्तावेज उपलब्ध होते है। बिहारपुर वन परिक्षेत्र के गरुडोल सर्किल की पूर्वी दिशा की ओर कनईडांड ग्राम के पहले हसदेव नदी तट पर करीब पांच महीने पहले एक बड़ा सीसी एनिकट बनाया गया था जिसकी आज की वर्तमान स्थिति का खुलासा करें तो भ्रष्टाचार के सारे खेल उजागर होते है जिसे वन विभाग के पेशेवर भ्रष्ट अधिकारी पहुंच विहीन बिहड़ों में अंजाम देने का कृत्य करते आ रहे हैं।

CMYK

# विवादों के साथ हुई एशिया कप 2022 की शुरुआत,अंपायर के फैसले पर क्यों भड़के फैंस

## सब्सक्रिप्शन के बिना भी फ्री में देख सकते हैं भारत-पाकिस्तान मैच लाइव

**नई दिल्ली, 28 अगस्त 2022।** भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप टी-20 मुकाबले का इंतजार फैंस बेसब्री के साथ कर रहे हैं। इस मैच से जुड़ी पल-पल की अपडेट जानने के लिए फैंस वैसे तो हॉटस्टार ऐप और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन जिन फैंस के पास हॉटस्टार का सब्सक्रिप्शन नहीं है, वो भी इस मुकाबले का मजा बिल्कुल फ्री में उठा सकते हैं।

### इस तरह फ्री में देख सकते हैं लाइव मैच

ऐसे फैंस जिनके पास हॉटस्टार का सब्सक्रिप्शन नहीं है, लेकिन घरों में डीडी फ्री डिश सर्विस है। वे दूरदर्शन के डीडी नेशनल और डीडी स्पोर्ट्स पर एशिया कप 2022 का सीधा प्रसारण फ्री में देख सकते हैं। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग को देखने के लिए जियो टीवी का सहारा लिया जा सकता है। इसके लिए बस आपके पास एक जियो का नंबर होना चाहिए जिसके जरिए आप लाइव टीवी ओपन कर सकते हैं।

**नई दिल्ली, 28 अगस्त 2022।** एशिया कप का आगाज 27 अगस्त से हो गया है और पहला मैच श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच खेला गया था और अफगानिस्तान ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। मैच के दौरान थोड़ा विवाद भी हुआ था। ये विवाद अंपयारिंग को लेकर हुआ था। फैंस ने भी खराब अंपयारिंग को लेकर काफी आलोचना की है।

विवाद कैसे बढ़ा

बता दें कि श्रीलंका टॉस हार गई थी जिसके कारण टीम को पहले बैटिंग के लिए उतरना पड़ा। शुरूआती मैच में ही टीम ने बेहद खराब प्रदर्शन दिया और पहले ही ओवर के आखिरी दो बॉल पर दो विकेट चटका दिए। जब पारी का तीसरा ओवर शुरू हुआ तो उसमें पथुम निसांका भी कैच आउट हो गए जिसे अंपयार ने नॉकआउट करार दिया।

इसके बाद अफगानिस्तान टीम ने डीआरएस लिया। थर्ड अंपायर ने रीप्ले में देखा कि बॉल बैट के पास से हल्के से टच होकर जा रही है। वहीं फैंस ने माना कि बॉल बैट से टच ही नहीं हुआ। ऐसे में ये फैसला काफी विवादों में आ गया था और थर्ड अंपायर ने इसे आउट करार दिया जिससे श्रीलंका की टीम भी काफी हैरान हो गई थी। फैसला सुनाने के बाद टीवी अंपायर ने कहा, रिप्ले में देखने को मिला है कि बॉल बैट के पास से निकली है और हल्का सा किनारा लगा है।

# पाकिस्तान ने भारत के सामने रखा 148 का लक्ष्य

**दुबई , 28 अगस्त 2022।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में रविवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

मैच की पहली पारी 147 पर समाप्त हुई है।पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 19.5 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 147 रन ही बना सकी है।

### बाबर आजम सस्ते में ही मैदान से लौटे

इस मेगा मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की जिसमें बाबर आजम सस्ते में ही मैदान से लौट गए और पाकिस्तान का पहला विकेट गिरा गया। बाबर ने 9 गेंद पर 10 रन बनाए थे। फिर भारत की तरफ से पहली बार करियर का बड़ा मैच खेल रहे आवेश खान ने शानदार प्रदर्शन देते हुए फखर जमां का विकेट लपका। फखर भी केवल 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

भुवनेश्वकर कुमार और हार्दिक का कमाल

भुवनेश्वकर कुमार ने बाबर का विकेट चटका जिससे उनका तीसरा ओवर शानदार रहा। इसी तरह पाकिस्तान का तसीरा और चौथा विकेट हार्दिक पांड्या ने लिया जिससे पहले इफ्तिखार फिर रिजवान को क्रिकेट मैदान से चलता किया। इसके बाद हार्दिक ने एक ओवर में पाकिस्तान को दो बड़े झटके दे दिए और पाकिस्तान का पांचवां विकेट भी गिर गया। मोहम्मद रिजवान का विकेट लेकर हार्दिक ने बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया। अपना अनुभव साबित कर रहे भुवनेश्वर ने भारत को छठी सफलता दिलायी और आसिफ अली सस्ते में लौटे।

इसी के साथ ही अर्शदीप ने अपना पहला विकेट लेकर पाकिस्तान का सातवां विकेट चटकाया। पाकिस्तान के शादाब खान भुवनेश्वर कुमार के शिकार हुए और इसी के साथ पाकिस्तान ने अपना आठवां विकेट गंवा दिया। भुवी का जलवा बेकरार रहा और इसी के साथ पाकिस्तान को लगातार दो झटके दिए।

भुवनेश्वर ने लगातार दो गेंदों पर शादाब और नसीम शाह को एलबीडब्ल्यू किया लेकिन पाक टीम की किस्मत नहीं चमक पाई और नौवां विकेट भी गिरा।

# डिज़्नी स्टार 2027 तक भारत में क्रिकेट का करेगा प्रसारण

**दुबई , 28 अगस्त 2022।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने घोषणा की कि डिज्नी स्टार अगले चार वर्षों के लिए भारत में होने वाली सभी प्रतियोगिता पुरुषों और महिलाओं दोनों की वैश्विक आयोजनों के टीवी और डिजिटल अधिकार जीते हैं। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने बताया कि डिज्नी स्टार ने एकल दौर की सीलबंद बोली प्रक्रिया के बाद यह जीत हासिल की है। उन्होंने कहा,हमें अगले चार वर्षों तक डिज्नी स्टार के साथ साझेदारी करते हुए खुशी हो रही है और वे हमारे खेल के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और पहले से कहीं अधिक प्रशंसकों से जुड़ेंगे और जुड़ेंगे।

डिज्नी स्टार के कंट्री मैनेजर और अध्यक्ष माधवन ने कहा कि आईसीसी के साथ अपने जुड़ाव को जारी रखने में सक्षम होने पर प्रसन्न हैं और आने वाले वर्षों में क्रिकेट के खेल को बढ़ाकर अपनी साझेदारी को मजबूत करने की आशा करते हैं।00

# पाकिस्तान के खिलाफ गोल्डन डक पर आउट हुए केएल राहुल,गेंदबाज ने उखाड़ फेंका स्टंप

**नई दिल्ली, , 28 अगस्त 2022।** भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का एशिया कप 2022 में आगाज बेहद निराशाजनक रहा। राहुल पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए। बड़ी बात यह है कि राहुल लंबे समय बाद भारत की जर्सी पहन मैदान पर उतरे थे, लेकिन इस मुकाबले में वह गोल्ेडन डक यानी पहली ही गेंद का शिकार बन गए। राहुल को नसीम शाह ने आउट किया।

### दूसरी ही गेंद पर बोल्ड हुए राहुल

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही है। केएल राहुल पहले ओवर की दूसरी ही बॉल पर बोल्ड हो गए। चोट के बाद भारतीय टीम की वापसी उम्मीद के बिल्कुल विपरित रही। फैंस को उम्मीद थी कि राहुल पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाएंगे, लेकिन ऐसा हो नहीं सका और राहुल बड़ी पारी तो दूर पहला रन बनाने में भी सफल नहीं हुए।

# उर्वशी रौतेला की वजह से ट्रोल हुए ऋषभ पंत

**नई दिल्ली, , 28 अगस्त 2022।** पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन से ऋषभ पंत को बाहर कर सभी को हैरान कर दिया। पंत पिछले कुछ समय से तीनों ही फॉर्मेट में रन बना रहे हैं। एशिया कप के लिए टीम की पहली पसंद ऋषभ पंत को ही माना जा रहा था। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ एक अहम मुकाबले में कप्तान रोहित शर्मा ने अपने फैसले से सभी को हैरान कर दिया।

### स्टेडियम में मौजूद नजर आईं उर्वशी रौतेला

भारत-पाकिस्तान मुकाबले को देखने के लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी दुबई पहुंचीं। उर्वशी रौतेला के स्टेडियम में मौजूद होने की तस्वीर आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। उर्वशी रौतेला भी स्टेडियम में मैच का लुत्फ लेती नजर आई। उर्वशी रौतेला और ऋषभ पंत पिछले कुछ दिनों से अपनी बयानबाजी के कारण सुर्खियों में बने हुए थे।

### उर्वशी रौतेला ने कहा था क्रिकेट से नहीं है लगाव

बता दें कि कुछ समय पहले उर्वशी से उनके किसी फैन ने इंस्टाग्राम पर भी पूछा था कि %आपका पसंदीदा क्रिकेटर कौन है% तो इस पर रौतेला ने कहा था कि %वो ना तो क्रिकेट देखती हैं और ना ही किसी क्रिकेटर को पर्सनली जानती हैं।

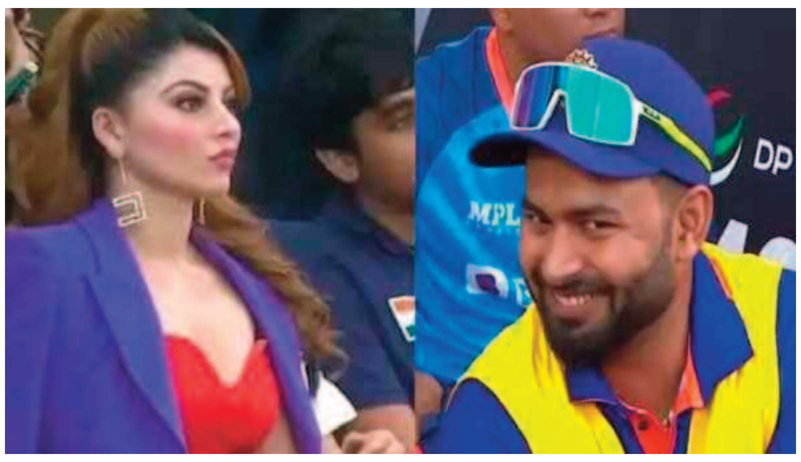

इतना ही नहीं उर्वशी रौतेला के वायरल हो रहे इंटरव्यू में भी उन्होंने इस बात को माना था कि उन्हें क्रिकेट में कुछ खास दिलचस्पी नहीं है। लेकिन कई अहम मौकों पर उन्हें टीम को सपोर्ट करते देखा जाता रहा है।

# जूनियर एनटीआर की रणबीर की फिल्म में होगी एंट्री

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर निर्देशक अयान मुखर्जी की मचअवेटेड मूवी ब्रह्मास्त्र सिनेमाघर पहुंचने की कतार में खड़ी हो चुकी है। ये मूवी 9 सिंतबर को रिलीज की जाने वाली है। जिससे पहले मूवी की पूरी टीम इसके मेगा प्रमोशन्स में व्यस्त चल रहे है। सुपरस्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की ये मूवी एक पैन इंडिया रिलीज मूवी है। जिसे मेकर्स हिंदी के अलावा, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज कर रहे हैं। इसमें से सबसे टेढ़ी खीर फिल्म की तेलुगु रिलीज है। एक ओर जहां तेलुगु सिनेमाई सितारे हिंदी बॉक्स ऑफिस पर छाए हुए हैं। वहीं, बॉलीवुड सितारों को पैन इंडिया रिलीज मूवी के लिए खासी मशक्कत करना पड़ रहा है।

अब इस मूवी के मेगा प्रमोशन के लिए टीम हैदराबाद पहुंच गई हैं। जहां मूवी निर्माता और स्टारकास्ट तेलुगु भाषा के ऑडियन्स को लुभाने के प्रयास में हैं। इस मास मिशन के लिए बाहुबली निर्देशक एसएस राजामौली निर्माताओं की निरंतर सहायता कर रहे हैं। वो इस मूवी को साउथ इंडिया के कोने-कोने तक पहुंचाने में लगे हैं। इस बीच उन्हें एक और बड़ा सहारा मिल चुका है। जी हां, फिल्म ब्रह्मास्त्र के प्रमोशन इवेंट में अब सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की भी एंट्री भी होने लगी है। जूनियर एनटीआर फिल्म स्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की इस मूवी के हैदराबाद प्रमोशन में हिस्सा लेने जा रहे है। जिसकी जानकारी निर्देशक अयान मुखर्जी ने इस वीडियो के साथ दी है।

आरआरआर स्टार जूनियर एनटीआर के साथ काम कर चुकी हैं आलिया भट्टः दरअसल, सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अदाकारा आलिया भट्ट के साथ अपनी मूवी आरआरआर में काम कर चुके हैं। दोनों सितारों के मध्य आरआरआर प्रमोशन्स के दौरान बहुत प्यारी बॉन्डिंग देखने के लिए मिली है। इसके उपरांत चर्चा थी कि दोनों सितारे जल्दी ही अगली मूवी में साथ काम करने वाले है।

# करण जौहर की फिल्म में धैर्य करवा संग रोमांस करेंगी सान्या मल्होत्रा

सान्या मल्होत्रा बॉलीवुड की उन अदाकाराओं में से एक हैं, जो इंडस्ट्री में अपने पैर पसार रही हैं। आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल में एक्ट्रेस ने बबिता फोगाट के किरदार को बड़े परदे पर निभाया था। एक्ट्रेस को आखिरी बार लव हॉस्टल और हिटः द फर्स्ट केस जैसी शानदार फिल्मों में देखा गया। बीते दिनों आई रिपोर्ट्स में बताया कि सान्या मल्होत्रा जल्द ही करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शंस में बन रही फिल्म में नजर आएंगी। मेकर्स को फिल्म में लीड एक्टर की तलाश थी, जो धैर्य करवा पर जाकर खत्म हुई है।

धर्मा प्रोडक्शंस के एक करीबी सूत्र ने बताया कि फिल्म के निर्माता आज के जमाने की फ्रेश जोड़ी को कास्ट करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने सान्या मल्होत्रा और धैर्य करवा को बतौर लीड एक्टर्स कास्ट किया है। सूत्र ने आगे कहा, सान्या और धैर्या को अभी एक धर्मा फिल्म के लिए कंफर्म किया गया है और इसके इस साल के अंत में फ्लोर पर जाने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि सान्या मल्होत्रा और धैर्य करवा दोनों करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस से परिचित हैं और दोनों करण के साथ पहले ही काम कर चुके हैं। सान्या मीनाक्षी सुंदरेश्वर फिल्म का हिस्सा थीं, जिसमें उन्हें अभिमन्यु दसानी के साथ देखा गया था। वहीं दूसरी ओर धैर्य करवा दीपिका पादुकोण, अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर करण जौहर द्वारा निर्मित गहराइयां में नजर आए थे। फिल्म को शकुन बत्रा ने डायरेक्ट किया था। यही वो फिल्म थी, जिसमें धैर्य को पहली बार लीड ऑफर हुआ था। इसके बाद अब उन्हें सान्या के साथ लीड रोल में देखा जाएगा। फिल्म में दोनों को ऑनस्क्रीन रोमांस करता देखने के लिए फैंस भी बेताब हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### शहर में घूम रहे कोरोना संक्रमित फेरीवाले

दुर्ग, 28 अगस्त 2022। भिलाई शहर में कपड़ा बेचने के लिए लोगों के घर-घर घूम रहे फेरीवाले कोरोना संक्रमण फैला रहे हैं। इसका खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने चार फेरीवालों के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई की। जेल दाखिल करने से पहले जब उनका मेडिकल चेकअप (मुलाहिजा) कराया गया तो इसमें से एक युवक कोरोना संक्रमित निकल गया। कार्रवाई से पहले वह न जाने कितने लोगों के घर कपड़ा बेचने के लिए पहुंचा और कोरोना का संक्रमण फैला चुका है। भिलाई नगर पुलिस के मुताबिक शनिवार को 4 कपड़ा बेचने वाले युवक एक व्यक्ति से झगड़ा कर रहे थे। युवक ने पुलिस को शिकायत करके बताया कि इन लोगों ने उसका मोबाइल चुरा लिया है।

### मोबाइल का रुपए मांगने पर ग्रामीण की पिटाई

बिलासपुर, 28 अगस्त 2022। पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम सोन में मोबाइल के रुपये मांगने पर ग्रामीण की युवकों ने पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने पर युवकों ने उसकी मां से भी मारपीट की। पिटाई से घायल ग्रामीण ने इसकी शिकायत पचपेड़ी थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम सोन में रहने वाले कार्तिक पटेल रोजी-मजदूरी करते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने मोबाइल को गांव के बजरंग पटेल के पास एक हजार रुपए में बेच दिया था। इस दौरान बजरंग ने मोबाइल के रुपए बाद में देने की बात कही थी।

कई दिनों तक रुपए नहीं मिलने पर शनिवार की शाम कार्तिक अपने रुपए मांगने के लिए बजरंग के पास गया। इस दौरान उसने मोबाइल लेने से इंकार करते हुए रुपये नहीं देने की बात कही। इसका विरोध करने पर उसने गाली-गलौज कर अपने भाईयों को भी बुला लिया। बजरंग और उसके दो भाईयों ने मिलकर कार्तिक की पिटाई की। मारपीट के बीच कार्तिक ने अपनी मां सादबाई को फोन कर घटना की जानकारी दी। इस पर उसकी मां ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। इस पर युवकों ने महिला से भी मारपीट की। मारपीट से घायल युवक और उसकी मां ने थाने पहुंचकर घटना की शिकायत की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

### गर्ल्स हॉस्टल में चोरी करने घुसा चोर,वीडियो हुआ वायरल

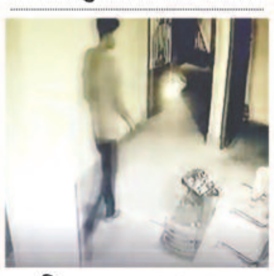

बिलासपुर, 28 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से गर्ल्स हॉस्टल के अंदर से चोरी का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक चोर हॉस्टल के कमरों में घुसता हुआ दिखाई दे रहा है। अंदर घुसने के बाद उसने लड़कियों के कमरे से मोबाइल, पैसे और कुछ जरूरी सामान पार कर दिए हैं। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। कोनी इलाके के शिवम आवासीय परिसर में अजय सिंह का गर्ल्स हॉस्टल है। यहां करीब 100 छात्राएं रहती हैं। इस मामले में लल में पढ़ने वाली मिताली शुक्ला ने शिकायत की थी। उसने अपनी शिकायत में बताया कि वह 26 अगस्त की रात को खाना खाकर सो गई थी।

# महापौर नगर निगमों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने का प्रयास करें : मुख्यमंत्री

## मुख्यमंत्री अखिल भारतीय महापौर परिषद के 51वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए

रायपुर, 28 अगस्त 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अखिल भारतीय महापौर परिषद के 51वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि महापौर को अपने नगर निगमों को आर्थिक स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य करें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि नगर निगमों में महापौर की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। महापौर ही शहर का असली लीडर होता है, जो महापौर शासन, प्रशासन, नागरिकों और अपनी टीम के साथ जितना बेहतर समन्वय बनाकर काम करते हैं, वे उतने ही सफल महापौर के रूप में लोकप्रिय होते हैं, उनका शहर उतना ही सुंदर होता है। निश्चित रूप से आप सभी अपने-अपने शहरों में बेहतर से बेहतर काम कर रहे होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि छत्तीसगढ़ में भी हमारे महापौरों ने बहुत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने नगरीय निकायों में एक बेहतर व्यवस्था का निर्माण किया है ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े। हमारी वार्ड कार्यालय योजना के अंतर्गत वे अपने वार्डों में ही शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और समाधान प्राप्त कर सकते हैं। नागरिक सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं का सरलीकरण करते हुए हमने मुख्यमंत्री मितान योजना शुरू की है। इसके अंतर्गत 13 तरह की नागरिक सेवाओं की घर पहुंच सुविधा दी जा रही है। हम इस संख्या में 100 तक ले जाने के लिए निरंतर रूप से प्रयत्न कर रहे हैं। उन्होंने महापौरगणों को गोधन की आय के स्त्रोत के रूप में उपयोगिता बताते हुए कहा कि रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा के गौठान में गोबर से बिजली उत्पादन प्रारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम मुख्यालय भवन में गोबर से निर्मित पेंट से आकर्षक पेंटिंग का कार्य हो रहा है। उन्होंने अपने नगरों के नवाचारों की जानकारी देने महापौरगणों से अनुरोध किया एवं कहा कि वे नवाचारों के नये कार्यों को प्रदेश के नगर निगमों में करवाएंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में महापौरगणों एवं पार्षदगणों का मानदेय सहित उनकी निधियों की राशि नगर हित के विकास कार्यों को तेजी देने बढ़ाई गयी है।

मुख्यमंत्री ने अतिथि महापौरगणों को कल 28 अगस्त को भोजन पर मुख्यमंत्री निवास में आंमत्रित किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में महापौरगणों एवं पार्षदगणों का मानदेय सहित उनकी निधियों की राशि नगर हित के विकास कार्यों को तेजी देने बढ़ाई गयी है।

इस अवसर पर महापौर एजाज ढेबर ने भी अपने सम्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ मॉडल की पूरा देश सराहना कर रहा है। इस कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष आगरा के महापौर नवीन जैन, मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं परिषद के महामंत्री उमाशंकर गुप्ता, रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर उत्तर विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा, निगम सभापति प्रमोद दुबे तथा देश के विभिन्न भागों से आये महापौर उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ में NIA के मुखिया होंगे पुलिस अधीक्षक वेद प्रकाश सूर्या

रायपुर, 28 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ में हृद्ध की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक वेद प्रकाश सूर्या को दी जा सकती है। तरूञ्ज कैडर के 2009 बैच के अफसर सूर्या इससे पहले दिल्ली पुलिस में थे। फरवरी 2022 तक वे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जिला पुलिस आयुक्त-DCP रहे हैं।

उनके पिता भी पुलिस अधिकारी रहे हैं। वे दुर्ग-भिलाई में भी तैनात रहे हैं। इसकी वजह से सूर्या छत्तीसगढ़ के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश से परिचित हैं।

बता दें कि छत्तीसगढ़ मुख्यालय नवा रायपुर के सेक्टर 24 में केंद्रीय सचिवालय के पास हृद्ध का नया भवन बना है। इसे केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया है। मिली जानकारी के अनुसार भूतल सहित तीन मंजिल के इस भवन में एजेंसी के सभी विभाग और शाखाओं के साथ डाटा बेस और सर्वर भी होगा। वर्तमान में इस भवन में अभी 45 से 50 अधिकारी-कर्मचारी तैनात हैं। इस मुख्यालय के मुखिया होंगे पुलिस अधीक्षक वेद प्रकाश सूर्या।

# ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा,41 चाकू जब्त

जांजगीर-चांपा, 28 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में रविवार को पुलिस ने 41 धारदार और बटन चाकू जब्त किया है। पिछले दिनों प्रदेश में हुई कई वारदातों को चाकू के जरिए अंजाम दिया गया है। ऐसे में जांजगीर-चांपा जिले में भी आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए स्क्कविजय अग्रवाल ने निर्देश दिए थे। जिसके बाद साइबर सेल ने ऑनलाइन चाकू की खरीद-बिक्री पर नजर रखी।

इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने बताया कि जिले में चाकूबाजी की घटनाओं पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से साइबर सेल के जरिए विभिन्न ऑनलाइन शॉपिंग साइट से तकनीकी जानकारी ली गई। इसके बाद इसे खरीदने वाले लोगों से जब्त किया गया। जिन लोगों ने ऑनलाइन साइट से धारदार हथियार, चाकू या छुरी मंगाए हैं, ऐसे लोगों को समझाइश दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से चाकू या दूसरे हथियार रखकर घूमते पाए जाने वाले लोगों पर जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# पत्नी का पति के कार्यालय में जाना और सार्वजनिक रूप से ऑफिस में प्रताड़ित करना है क्रूरताः हाईकोर्ट

बिलासपुर, 28 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि किसी भी बात पर पति को प्रताड़ित करना, सार्वजनिक रूप से पति के साथ दुर्व्यवहार करते हुए अपमानित करने की अनुमति स्वस्थ्य समाज नहीं देता है। इसे पत्नि द्वारा पति के खिलाफ क्रूरता की श्रेणी में रखा जाना चाहिए।

इसे आधार मानते हुए डिवीजन बेंच ने पविार न्यायालय के फैसले को यथावत रखते हुए पत्नी की याचिका को खारिज कर दिया है। निचली अदालत ने पति को इसी आधार पर तलाक की अनुमति दे दी थी। पत्नी ने अपने वकील के जरिए निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी।

पत्नी की याचिका पर जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल के डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता पत्नी ने परिवार न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि प्रताड़ना की बातें सही नहीं है।

डिवीजन बेंच ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि पत्नी का पति के कार्यालय में जाना और सार्वजनिक रूप से ऑफिस स्टाफ के बीचअभद्र भाषा का प्रयोग करना जिससे मानहानि हो उचित नहीं है। पत्नी ने कार्यालय जाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित और प्रताड़ित किया है।

कार्यालय की कुछ महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध का भी आरोप लगाती हैं। कोर्ट ने इसे अनुचित के साथ ही क्रूरता की श्रेणी में मानते हुए पत्नी की याचिका को खारिज कर दिया है।

# टी एस सिंहदेव के बयान के बाद पूर्व सीएम डॉक्टर रमन सिंह का Tweet, कहा-'छत्तीसगढ़ को क़र्ज़ में डूबो दिया'

रायपुर, 28 अगस्त 2022। पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव के एक बयान की आड़ में सरकार को घेरने की कोशिश की है. डॉक्टर रमन सिंह ने ट्वीट कर कहा है कि सरकार के पास ना वेतन देने के पैसे हैं और ना ही घोषणा पत्र के वादे पूरे करने के लिए पैसा है.

दरअसल स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव का कर्मचारियों के एक डेलिगेशन से मुलाक़ात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने भी इस वीडियो को ट्वीट कर सरकार पर हमला बोला है. इस वीडियो में टी एस सिंहदेव ने कहा कि- सरकार की पाँच छह हज़ार करोड़ देने की औक़ात ही नहीं है.

सिंहदेव ने आगे कहा कि- मैं घुमाने फिराने की बात नहीं कर रहा हूँ. यहाँ नरवा, गरवा, घुरवा, गोबर सब ज़्यादा हो गया है. किसान को प्राथमिकता समझा गया है. नियमितिकरण भी करना है. इसमें भी खर्च आएगा. दूसरे काम भी तो करने हैं.

इस वीडियो में टीएस सिंहदेव के मुताबिक कर्मचारियों की मांगों को वे भी समझ रहे है. वीडियो में वे कह रहे है कि 40 हजार करोड़ दे चुके है, लेकिन और 5-6 हजार करोड़ देने की औकात नहीं है. इसके बाद वे कर्मचारियों से ये भी कहते है कि ये घुमाने-फिराने वाली बात नहीं है. सिर्फ सच्चाई है. वे कर्मचारियों को सरकार के खर्चों के बारे और सरकार को और करने वाले कामों के बारे में भी बता रहे है. वे इसमें कर्मचारियों के नियमितिकरण की भी बात कह रहे है.।

# गांव की जमीन पर मिले बाघ के पंजो के निशान,ग्रामीणों में दहशत का माहौल

बिलासपुर, 28 अगस्त 2022। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के कोटा ब्लॉक में इन दिनों बाघ की दहशत देखी जा रही है। करखा ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम जोगीपुर-जोगिया में दो दिनों से बाघ देखा जा रहा है, जिससे लोगों में दहशत है। मुंगेली जिला इससे बिल्कुल सटा हुआ है, इसके चलते यहां के ग्रामीण भी खौफ के साए में जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने कई जगहों पर बाघ के पंजों के निशान देखे, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। वन अमला मौके पर पहुंचा और पंजों के निशान को देखकर गांव में बाघ के होने की पुष्टि की। इधर वनकर्मियों के हड़ताल पर होने की वजह से दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के भरोसे ही बाघ के मूवमेंट की निगरानी की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में गुस्सा है। गांववालों ने कहा कि एक तरफ बाघ के आसपास होने से वे डर के साए में जी रहे हैं।

कभी भी कुछ भी हो सकता है और इधर वनकर्मी हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के साथ-साथ मवेशियों को भी खतरा है। जिस जगह पर बाघ (ञ्जद्बद्दद्गह्म्) देखे जाने की जानकारी मिल रही है, वो जगह बिलासपुर वन विकास निगम का बताया जा रहा है। वहीं पास में ही अचानकमार टाइगर रिजर्व (मुंगेली) का बफर जोन भी लग जाता है, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि जिस टाइगर के पग मार्क गांव में मिल रहे हैं, वो वहीं से यहां आया होगा। इधर पूरे मामले में अचानकमार टाइगर रिजर्व (ञ्जक्र) प्रबंधन और बिलासपुर वनमंडल के अधिकारियों की गंभीर लापरवाही भी सामने आ रही है। अभी तक दोनों में से कहीं के भी अधिकारियों ने गांव का दौरा कर हालात का जायजा नहीं लिया है।

### कुछ महीने पहले मिला था बाघ के शावक का शव

कुछ महीने पहले ही इस इलाके से लगे जंगल में बाघ के शावक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली थी, जिस पर वन विभाग ने जमकर लीपापोती की थी। ऐसे में इस बार जिम्मेदारों द्वारा की जा रही लापरवाही से वन विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

### फोन तक नहीं उठा रहे अधिकारी

पूरे मामले में अचानकमार टाइगर रिजर्व प्रबंधन, वन विकास निगम बिलासपुर, वनमंडल अधिकारी बिलासपुर तीनों की भूमिका सवालों के घेरे में है। गांववालों ने बताया कि तीनों विभाग के प्रमुखों से बात करने की कोशिश उन्होंने की, लेकिन कोई भी अधिकारी फोन नहीं उठा रहा है। जब दैनिक भास्कर की टीम ने भी तीनों विभाग के अधिकारियों से फोन लगाकर संपर्क करने की कोशिश की, तो इन अधिकारियों ने फोन तक रिसीव नहीं किया।

# स्वतंत्रता कैम्प दिल्ली में प्रतिनिधित्व करने वाली कैडेट दिव्या दीवान को शुभकामनाएं

महासमुंद, 28 अगस्त 2022। महासप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय महासमुंद की एन सी सी की कैडेट दिव्या दीवान एक भारत श्रेष्ठ भारत स्वतंत्रता दिवस कैम्प 2022 दिल्ली के लिए चयनित हुई थीं। उन्होंने 1 अगस्त से 16 अगस्त 2022 तक डी जी एन सी सी कैम्प दिल्ली कैंट में एक भारत श्रेष्ठ भारत स्वतंत्रता दिवस कैम्प 2022 में मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। उनकी इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनुसुईया अग्रवाल, एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट प्रदीप कन्हेर, डॉ मालती तिवारी एन एस एस जिला संगठक,अजय राजा एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी पुरूष इकाई, राजेश्वरी सोनी एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई, डॉ रीता पांडेय, प्रो.करुणा दुबे, डॉ नीलम अग्रवाल,डॉ आर के अग्रवाल,डॉ ई पी चेलक,प्रो. एम एस वर्मा, प्रो सी खलखो, प्रो मनीराम धीवर, डॉ दुर्गावती भारतीय,डॉ वैशाली गौतम हिरवे,सीमारानी प्रधान, सरस्वती सेठ, दिलीप बढ़ाई, अजय देवांगन, मनबोध चौहान,प्रियंका चक्रधारी, मनीषा बेहरा,क्रीड़ा अधिकारी दिलीप लहरे ने शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

# पत्नी को पति ने बेरहमी से पीटा, केस दर्ज

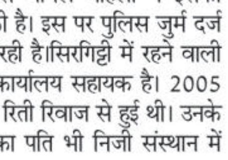

बिलासपुर, 28 अगस्त 2022। युवक और उसके साथ काम करने वाली युवती शनिवार की रात रेलवे स्टेशन के पास घूम रहे थे। इसी बीच युवक की पत्नी भी वहां पहुंच गई। दोनों को साथ घूमते देख महिला ने आपत्ती की। इस पर युवक और उसकी सहकर्मी ने महिला की पिटाई कर दी। मारपीट से घायल महिला ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।सिरगिट्टी में रहने वाली महिला निजी संस्थान में कार्यालय सहायक है। 2005 में उसकी शादी सामाजिक रिती रिवाज से हुई थी। उनके दो बच्चे भी है। महिला का पति भी निजी संस्थान में काम करता है।

# हड़ताली कर्मियों के पक्ष में सीएम को चिट्ठी लिख रहे हैं कांग्रेसी विधायक...!

राजनांदगांव, 28 अगस्त 2022। कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले आंदोलनरत सरकारी कर्मियों के पक्ष में तीन विधायकों ने पत्र जारी कर मुख्यमंत्री से उनकी मांगों पर गौर फरमाने का आग्रह किया है। उनके पत्र को लेकर कांग्रेस संगठन में चर्चा शुरू हो गई है। एक गुट पत्र को सरकार के खिलाफ मान रहा है।

डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू, खुज्जी विधायक छन्नी साहू और खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा ने अपने पत्रों में फेडरेशन के मांगों पर विचार करने के लिए मुख्यमंत्री से गुजारिश की है। तीनों का लिखा पत्र वायरल हो गया है। उनके लिखे पत्रों को लेकर कांग्रेस के कई नेता अचरज में है। मुख्यमंत्री के नाम सीधे तीनों ने फेडरेशन की मांगों को लेकर उचित कदम उठाने की मांग की है।

फेडरेशन ने विधायकों के लेटर को लेकर एक तरह से यह संकेत दिया है कि सरकार के भी नुमाईंदे हड़ताल को न्यायोचित मान रहे हैं।

दलेश्वर साहू ने मुख्यमंत्री से गृहभाड़ा और डीए बढ़ाने का आग्रह करते पत्र में लिखा है कि व्यक्तिगत मुलाकात कर फेडरेशन ने समर्थन मांगा था। उनकी मांगों को सुनकर मुख्यमंत्री के नाम दलेश्वर ने पत्र जारी कर दिया है। इसी तरह खुज्जी विधायक छन्नी साहू और खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा भी हड़ताली कर्मियों के समर्थन करती नजर आ रही है।

कांग्रेसी विधायकों के अलावा प्रदेश के अन्य विधायकों ने भी पत्र लिखा है। विधायकों के सामने खड़े हुए प्रतिनिधि मंडल ने अपनी मांग को पूरी तरह से जायज ठहराया। तीनों विधायक का पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। विधायकों के इस समर्थन पत्र को लेकर कांग्रेस संगठन पशोपेश में दिख रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)